पेज. 4 नन्हे तैराकों ने स्टेट स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा, जीते 17

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

31 जुलाई 2024

वर्ष 02, अंक 18, – मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 69,455 Silver 85,357 Crude Oil 6,186 Natural Gas 234.00 Aluminium 209.55 Copper 805.30

खास खबर

सहकारिता क्षेत्र के कर्मचारीयों ने अपनी मांगों को लेकर किया दिल्ली प्रस्थान

नीमच। सहकारिता क्षेत्र का राष्ट्रीय संघर्ष समिति ज़िला नीमच का एक दल अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली आन्दोलन के लिए समिति के सभी सदस्यों ने मंगलवार दोपहर 3ः00 बजे नीमच रेलवे स्टेशन से प्रस्थान किया। सहकारिता क्षेत्र के सेवानिवृत कर्मचारियों के संगठन के अधिकारी कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष शंभाजीराव जाधव,राष्ट्रीय संघर्ष समिति अध्यक्ष बृजेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया की ईपीएस 95 अन्तर्गत पेंशन वृद्धि के किए जा रहे एनएसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक राऊत के आव्हान पर जंतर मंतर दिल्ली में 31 जुलाई को सांकेतिक धरना प्रदर्शन में भाग लेने के लिये नीमच एनएसी का एक दल ने प्रस्थान किया। धरने को गति देने के लिए सेवानिवृत्ति कर्मचारी भाग लेंगे। नीमच जिले से सेवानिवृत कर्मचारी रामप्रसाद नागदा, कन्हैयालाल मोनिया, गोपाल कृष्ण शर्मा,अशोक जोशी,रामनिवास सोनी,बसंत सिंह राणावत, हिम्मत सिंह जैन,भंवरलाल सागर,लक्ष्मी नारायण सोलंकी, सचिन विश्वास जोशी आदि सदस्य बड़ी संख्या में रवाना हुए उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी इलियास कुरैशी ने दी।

जिला पंचायत सी.ई.ओ ने किया मियावाकी पद्धति से पौधरोपण कार्य का निरीक्षण

नीमच। जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री गुरुप्रसाद ने सोमवार को मियावाकी पद्धति से पौधरोपण कार्य का निरीक्षण ग्राम पंचायत गिरदोड़ा, एवं ग्राम पंचायत जमुनिया खुर्द के ग्राम दुलाखेड़ा में किया एवं फैंसिंग ,बोर्ड, पानी की व्यवस्था एवं रोपित किये जाने वाले पौधो की प्रजाति के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश पंचायत को दिए । भ्रमण के समय श्री अरविंद डामोर , जनपद सीईओ श्री राजेन्द्र पालन पुरे , सहायक यंत्री ,उपयंत्री एवं क्रियान्वयन एजेंसी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के सचिव उपस्थित थे।

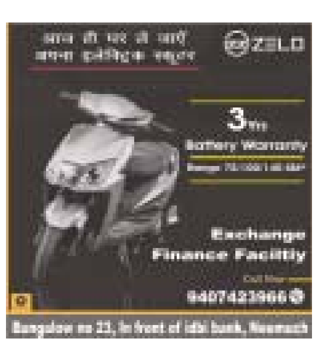

उत्तर प्रदेश विधानसभा में पारित हुआ धर्मांतरण विरोधी संशोधन विधेयक, कानून हुआ और सख्त, अब आजीवन कारावास, 5 लाख रु. जुर्माना

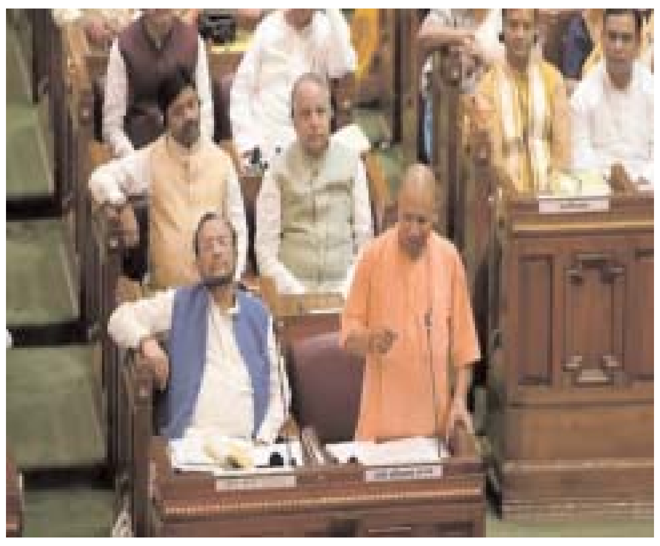

संशोधन विधेयक में आजीवन कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। धर्म परिवर्तन के लिए विदेशों से होने वाली फंडिंग पर रोक लगाने के लिए प्रावधान और सख्त किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश। में गैरकानूनी धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानूनी प्रावधानों को और कड़ा बनाने वाला संशोधन विधेयक मंगलवार को विधानसभा से पारित हो गया। इस संशोधन विधेयक में धर्म परिवर्तन से जुड़े अपराधों में सजा की अवधि बढ़ाई गई है। साथ ही इस संशोधन विधेयक में आजीवन कारावास और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। धर्म परिवर्तन के लिए विदेशों से होने वाली फंडिंग पर रोक लगाने के लिए प्रावधान और सख्त किए गए हैं।

कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाया

संशोधित अधिनियम में छल कपट या जबर्दस्ती कराए गए धर्मांतरण के मामलों में कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाया गया है। उप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से जारी मंगलवार की कार्यसूची में प्रस्ताव किया गया है कि आज इस संशोधित विधेयक को पारित करने के लिए सदन में चर्चा की जाएगी। संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से जाल में फंसाकर धर्मांतरण कर अवैध तरीके से विवाह करने और उत्पीड़न के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। पहले इसमें अधिकतम 10 साल की सजा का प्रावधान था। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में पहले दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 को सदन में पुरःस्थापित किया था।

अब कोई भी शिकायत दर्ज करा सकता है

इसमें प्रस्ताव किया गया है कि कोई व्यक्ति धर्मांतरण कराने के इरादे से किसी को अगर धमकी देता है, हमला करता है, विवाह करता या करने का वादा करता है या इसके लिए साजिश रचता है, महिला, नाबालिग या किसी की तस्करी करता है तो उसके अपराध को सबसे गंभीर श्रेणी में रखा जाएगा। संशोधित अधिनियम में ऐसे मामलों में 20 वर्ष कारावास या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। जब यह विधेयक के रूप में पहली बार पारित करने के बाद कानून बना तब इसके तहत अधिकतम 10 साल की सजा और 50 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया था। संशोधित प्रावधान के तहत यह व्यवस्था दी गई है कि धर्मांतरण मामलों में अब कोई भी व्यक्ति प्राथमिकी दर्ज करा सकेगा। इससे पहले मामले की सूचना या शिकायत देने के लिए पीड़ित व्यक्ति, उसके माता-पिता, भाई-बहन का होना जरूरी था, लेकिन अब दायरा बढ़ा दिया गया है। अब कोई भी इसकी सूचना लिखित तौर पर पुलिस को दे सकता है।

सभी अपराध गैर-जमानती बनाए गए

ऐसे मामलों की सुनवाई सत्र अदालत से नीचे नहीं होगी और लोक अभियोजक को मौका दिए बिना जमानत याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित मसौदे के तहत इसमें सभी अपराध गैर-जमानती बना दिए गए हैं। उप्र के मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ ने कथित %लव जिहाद% पर अंकुश लगाने के इरादे से यह पहल की थी। नवंबर 2020 में इसके लिए अध्यादेश जारी किया गया और बाद में उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों से विधेयक पारित होने के बाद उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 को कानूनी रूप में मान?यता मिली। मंगलवार को विधानसभा में इस संशोधित विधेयक पर चर्चा की जाएगी और फिर इसे पारित किया जा सकता है।

लाड़ली बहनों को एक और बड़ा तोहफा, 250 रुपए और सस्ता सिलेंडर, सीएम मोहन के 3 बड़े ऐलान

भोपाल। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों का रसोई गैस सिलेंडर 450 रुपये में भरा जाएगा। इसके लिए चुनाव के पूर्व लागू की गई योजना को प्रदेश सरकार जारी रखेगी। इसका निर्णय मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक में लिया जाएगा।

450 रुपये में मिलेगा गैस सिलेंडर

विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन शिवराज सरकार ने लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया था।

इसमें उज्जवला योजना की हितग्राही भी शामिल थीं, क्योंकि ये सभी लाड़ली बहना योजना में शामिल हैं। योजना को आगे भी जारी रखा जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को बीमा लाभ

वहीं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। इसमें बीमित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं अथवा सहायिका की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर दो लाख रुपये के बीमा का प्रविधान है।

रक्षाबंधन पर बहनों को तोहफा

इससे पहले सीएम ने रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपए अतिरिक्त देनें की घोषणा कर चुके हैं। लाड़ली बहना योजना में शामिल महिलाओं को हर माह मिलने वाले 1250 रुपये में 250 रुपये जोड़ा जाएगा। 250 रुपए अतिरिक्त आने से अबकी बार महिलाओं के खाते में 1500 रुपए आएगा।

सामाजिक एकजुटता से ही होगी समाज सुरक्षा-संतोष चोपड़ा

स्वर्णकार, खण्डेलवाल, माहेश्वरी व जैन स्थानक मण्डल की बैठक संपन्न

वैश्य महासम्मेलन में प्रख्यात कवियत्री अनामिका अम्बर देगी रचनाओ की प्रस्तुति

नीमच। समाज के सभी वर्गों की एकता के बिना समाज की सुरक्षा नहीं हो सकती है। समाज के सभी वर्गों को एक दूसरे के सुख दुख में सहयोग करना होगा तभी पहले परिवार फिर समाज और फिर नगर और फिर प्रदेश में संगठन की शक्ति सामने आएगी। जिस संगठन में शक्ति अधिक होती है उस संगठन की सरकार, अधिकारी और राजनेता सुनते हैं तभी समाज प्रगति कर सकता है। वैश्य सम्मेलन के सभी घटक को एक दूसरे के प्रति विश्वास और भरोसा स्थापित करना होगा। तभी सामाजिक एकता स्थापित होगी और तभी समाज का विकास हो सकता है। यह बात वैश्य सम्मेलन संभागीय अध्यक्ष संतोष चोपड़ा ने कही। वे 3 व 4 अगस्त को नीमच में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय वैश्य बैठक, एकतां रैली एवं सांस्कृतिक संध्या तथा प्रदेश स्तरीय बैठक के आयोजन की तैयारी को लेकर चंद्रभंवर कार्यालय में आयोजित बैठक में बोल रहे थे। बैठक में स्वर्णकार, खण्डेलवाल, माहेश्वरी व जैन स्थानक समाज से जुड़े पुरुष व महिला सदस्य उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि संगठन के नेतृत्व को शक्ति समाज के सदस्य सामूहिक रूप से प्रदान करेंगे तो प्रशासन भी सुनेगा। क्योंकि प्रशासन जन समूह की संख्या बल को देखता है। समाज का हर व्यक्ति जागरूक होगा तो समाज में जागृति आएगी। जिला मीडिया प्रभारी विवेक खण्डेलवाल, ज़िला संयोजक एडवोकेट सुनील जैन पटेल, कार्यक्रम संयोजक दिलीप डूंगरवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि 3 अगस्त की संध्या को टाउनहॉल नीमच में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रख्यात राष्ट्रीय कवियत्री अनामिका अंबर भी अपने साथी कलाकारों के साथ अपनी रचनाओं की प्रस्तुतियां देगी। समाज विकास और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने वाले विभिन्न आयु वर्ग के जल चिकित्सा, शिक्षा, सेवा प्रकल्प में सहयोगी समाजसेवियों का सम्मान अतिथि परंपरा को ध्यान में रखते हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। दो दिवसीय बैठक में मप्र के 250 से अधिक अपेक्षित वैश्य पदाधिकारी भाग लेंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गोविंद पोरवाल, जयंतीलाल पितलिया, मनोहर बम शम्भु दादा, सुनील चोरडिया, सुनिल नाहर, कान्हा सोनी, विनय मारू, जितेंद्र सोनी, कन्हैया सोनी, मनोज महेश्वरी, संगीता जारोली, वेजंयती माला तोतला, हेमलता खंडेलवाल ,सरला खंडेलवाल, साधना खंडेलवाल, किरण खण्डेलवाल, जितेंद्र सोनी, पारस लसोड, विकास पितलिया, ललित लाठी, शोकिन पामेचा, हरिवल्लभ मुच्छाल आदि अनेक वैश्य समाजजन उपस्थित थे ।

स्थानीय निकाय, रहवासी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान करें- श्री जैन

कलेक्टर ने की जनसुनवाई -104 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहवासी बस्तियों में बारिश के जल भराव की समस्या का समाधान तत्काल किया जावे। जल की निकासी की व्यवस्था करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सीएमओ नीमच एवं सभी जनपद सीईओ को जनसुनवाई में दिए।

कलेक्टर श्री जैन ने कहा, कि बारिश के पानी की निकासी की ग्राम पंचायते व नगरीय निकाय पुख्ता व्यवस्था करें। जिससे कि रहवासियों को कोई असुविधा ना हो। गणपति नगर वार्ड नम्बर 8 नीमच के रहवासियों ने कलेक्टर को जनसुनवाई में जल भराव की समस्या से निजात दिलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने सीएमओ नीमच को उक्त निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने ग्रामीणों की समस्याए सुनते हुए उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 104 आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। मनासा क्षेत्र के गांव टामोटी की अमरी बाई भील ने स्वयं के उपचार के लिए और मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता दिलाने का अनुरोध किया। रिसाला मस्जिद नीमच निवासी रजिया कुरैशी के विधवा पेंशन स्वीकृत करने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने उप संचालक सामाजिक न्याय को नियमानुसार आवेदन प्राप्त कर पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश दिए। बरूखेडा के मदनलाल नायक ने अपनी कृषि भूमि अवैध रूप से कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोकाधडी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने का आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने शिकायत शाखा को जांच कर कार्यवाही के लिए पुलिस को पत्र लिखने के निर्देश दिए।

कनावटी के महावीर राठौर ने शासकीय भूमि पर बिना अनुमति अवैध निर्माण करने, तथा पूर्व सरपंच व्दारा पद का दुरूपयोग कर शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा करने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने नीमच जनपद सीईओ को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में भंवरासा के कृष्णपालसिह सोधिया, रतनगढ के सत्यनारायण, नीमच के मोहम्मद शरीफ, झांतला के पन्नालाल, रामपुरा के गोवर्धन लाल जैन, जावद की आशा, बांगरेड के सुभाषचंद्र, देवीलाल, दिनेश, जगदीश, बमोरी के बाबुलाल, सेमार्डा की कमलाबाई, भमेसर की नर्मदाबाई, दुलाखेडा की मंजुबाई, नीमच केंट के बाबुलाल, श्रीमती रानीदेवी, नीमच के हरिशंकर,डीकने के हरिओम, पिपलियाव्यास की सुमित्राबाई, मनासा के भरत अरोरा, खजूरिया के रामचंद्र, किशन, नीमच की हुसेना बी आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए।

सरवानिया नगर परिषद के सफाई मित्रों की क्षमतावर्धन कार्यशाला एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

सरवानिया महाराज। नगर को कैसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाए नसके लिए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे है। समय समय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशालाओं एवं बैठकों का भी आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में सरवानिया महाराज नगर परिषद के सफाई मित्रों का नगर परिषद सभागृह में क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें सफाई मित्रों को किस प्रकार से कार्य करना चाहिए इसके बारे में नगर परिषद उपयंत्री द्वारा समझाइश दी गई।

नगर परिषद अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह जैन एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने कार्यशाला में कर्मचारियों के अथक प्रयासों एवं उत्कृष्ट कार्यो की सराहना करते हुए नगर को और कैसे सुंदर व स्वच्छ बनाए इस पर अपने विचार रखें।

नगर परिषद अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह जैन एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा सफाई मित्रों स्वच्छता चैंपियन को पुष्पमाला पशास्त्र पत्र शील्ड ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

धानुका सोया प्लांट से निकले वाली गेस व गंदे पानी की समास्या से निजात की मांग

ग्रामीणों ने सोपा ज्ञापन,दिया 8 दिन का अल्टीमेटम नही तो होगा चक्का जाम

नीमच। सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम जेतपुरा फंटे पर स्थित धानुका सोया प्लांट से निकलने वाले धुएं और गैस की बदबू एवं केमिकल युक्त पानी की समस्या से निजात की मांग को लेकर सोया प्लांट के आसपास के ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने कलेक्टर को उक्त समस्या से निजात दिलाने की मांग हेतु आवेदन सोपा साथ ही आठ दिन का अल्टीमेटम भी दिया गया कि यदि 8 दिन में समस्या का निराकरण नहीं होता है तो सभी ग्रामीण धरना प्रदर्शन के साथ चक्का जाम जैसे आंदोलन करेंगे। गांव के अनिल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम जेतपुरा फंटा पर धानुका सोया प्लांट स्थित है जिससे निकलने वाले धुवे और गैस की बदबू से ग्रामीण परेशान है यही नहीं फैक्ट्री से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी के कारण मवेशी भी बीमार पड़ रहे हैं गांव में अधिकतर लोग सांस की बीमारी से ग्रसित हो गए हैं जिसके कारण उन्हें निरंतर दवाइयां का सेवन करना पड़ रहा है उक्त समस्या के निराकरण की मांग को लेकर पूर्व में भी आवेदन दिए गए हैं परंतु अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है जिसको लेकर आज पुनः ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर उक्त समस्या से निराकरण की मांग की है साथ ही चेतावनी दी है कि यदि आठ दिवस में समस्या का निराकरण नहीं होता है तो सभी ग्रामीण चक्का जाम और धरना आंदोलन करेंगे।

ग्राम भड़भड़िया के सरपंच पति पर लगे शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के आरोप

रास्ता दुरुस्ती करण ओर नलजल योजना की भी उठी मांग,ग्रामीणों ने सोपा ज्ञापन

नीमच। जिला मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम भड़भड़िया के सरपंच पति पर शासकीय भूमि पर कब्जा कर अतिक्रमण करने के आरोप ग्रामीणों ने लगाए हैं साथ ही प्रधानमंत्री नल जल योजना और आम रास्ता दुरुस्तीकरण की मांग भी ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन देकर की गई है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि ग्राम भड़भड़िया की सरपंच संगीता पाटीदार के पति सत्यनारायण पाटीदार ने अपनी पत्नी के सरपंच बनने के पूर्व ही ग्राम भड़भड़िया स्थित सर्वे नंबर 1974 रकबा 2.65 हेक्टेयर मेसे 50 आरी तथा सर्वे न 1969 मेसे 10 आरी पर ओर सर्वे न 652 मेसे 15 आरी पर कब जाकर अतिक्रमण कर रखा है

वर्ष 2023 में सत्यनारायण पाटीदार ने गांव में ही स्थित अमृत सरोवर की भूमि पर अवैध खनन कर सर्वे न 1974 पर भराव व मिट्टी डाली गई जिसकी शिकायत भी ग्राम वासियों द्वारा की गई जिसकी जानकारी प्रशासन को भी है परंतु सत्यनारायण पाटीदार द्वारा राजस्व जुर्माना भी नहीं दिया जा रहा है ।

दिए गए ज्ञापन में उपरोक्त भूमियों से अतिक्रमण हटाकर सरपंच पति पर कार्रवाई की मांग की गई है इसी प्रकार दूसरे आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम भड़भड़िया आदर्श ग्राम पंचायत है सरपंच की उदासीनता के चलते ठेकेदार दिलीप बिल्डकॉन द्वारा प्रधानमंत्री नल जल योजना से गांव को वंचित रखा गया है ऐसे में गर्मियों के दिनों में गांव को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है ज्ञापन में मांग की गई है कि ग्राम भड़भड़िया में प्रधानमंत्री पेयजल योजना की पाइपलाइन डलवा कर घर-घर नल जल योजना का लाभ ग्रामीणों को दिलाया जाए, तीसरे आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री पेयजल योजना के अंतर्गत गांव में ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य और भारी वाहनों के चलते देवस्थान पर पहुंचने के मार्ग को जीर्ण क्षीर्ण कर दिया गया है ।

जिसके चलते बारिश में किसानों को देवस्थान हेतु जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और मार्ग में ठेकेदार द्वारा जगह-जगह पाइप का स्टॉक भी किया गया है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो रहा है दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि गाँव की सड़क की मरम्मत कर मार्ग से ठेकेदार के सामान हटाया जाए।

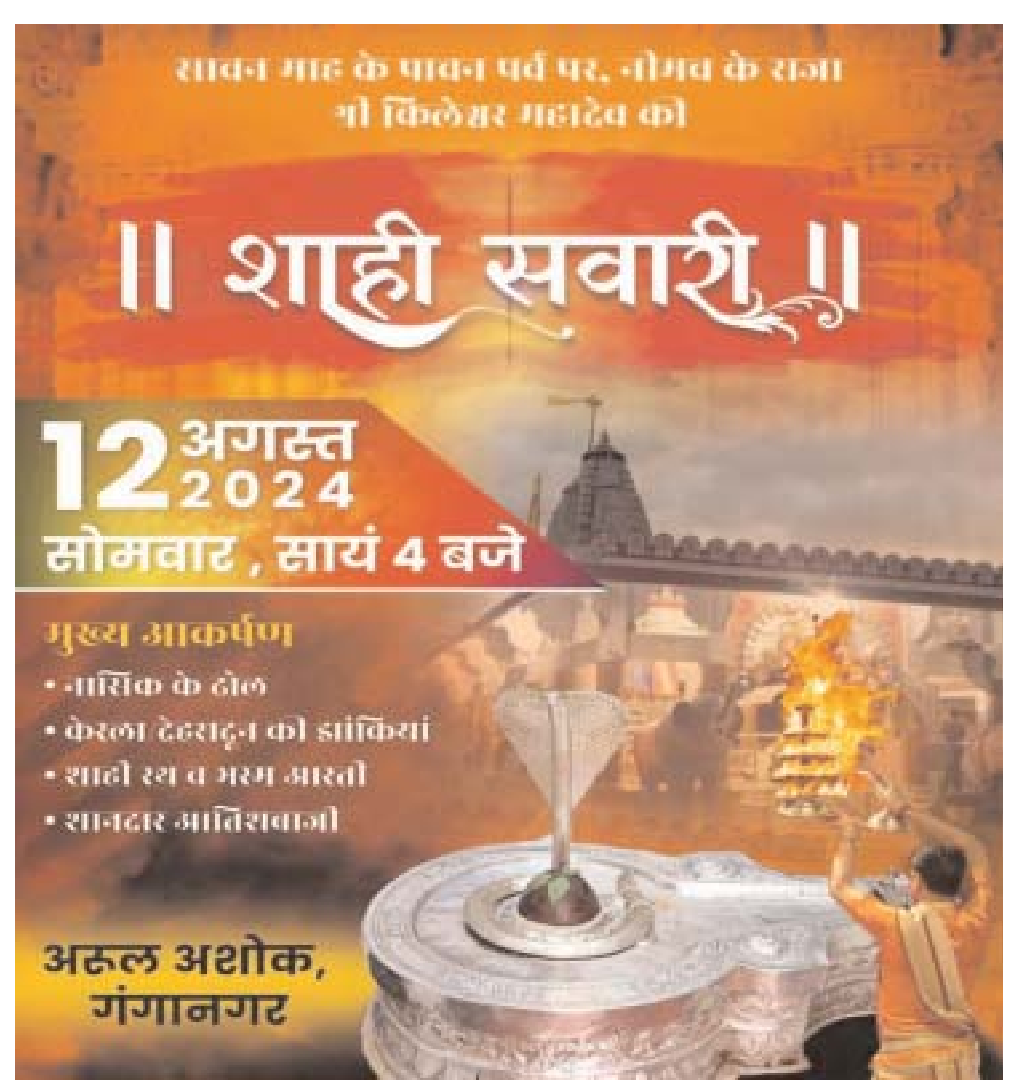

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

गौतम गंभीर के पास पहुंची राहुल द्रविड़ की खास दुआ, सुनकर भावुक हो गए नए हेड कोच

गौतम गंभीर ने हाल ही में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली है। उनसे पहले ये पद राहुल द्रविड़ के पास था। ढाई साल तक द्रविड़ इस पद पर रहे और टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाकर विदाई ली। अब गंभीर के सिर उनके काम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है। इसलिए द्रविड़ ने गंभीर के लिए खास दुआ की है।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी जिम्मेदारी संभाल ली है। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया इस समय श्रीलंका में है और तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रही है। सीरीज की शुरुआत से पहले गंभीर को टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ से शुभकामनाएं मिली हैं। द्रविड़ ने उम्मीद जताई है कि जो यादें, जो पल उन्होंने सहेजे हैं गंभीर के हिस्से भी आएं।

राहुल द्रविड़ ने साल 2021 के अंत में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके हिस्से ये काम तब आया था जब भारत टी20 वर्ल्ड कप-2021 में बुरी तरह से फ्लॉप रहा था। द्रविड़ के कोच रहते हालांकि टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप-2024 का खिताब अपने नाम किया। भारत 17 साल बाद इस खिताब को जीतने में सफल रहा और द्रविड़ को एक शानदार विदाई मिल सकी।

गंभीर के नाम द्रविड़ का संदेश

बीसीसीआई ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें गंभीर लैपटॉप पर राहुल द्रविड़ का खास मैसेज सुनते हैं। इस ऑडियो में द्रविड़, गंभीर से कहते हैं, हैलो गौतम, टीम इंडिया के कोच तौर पर हमारी दुनिया की सबसे शानदार नौकरी में आपका स्वागत है। मैंने जिस अंदाज में टीम इंडिया के कोच का सफर खत्म किया वो सपने से परे था और उसे अब तीन सप्ताह हो चुके हैं। बारबाडोस और इसके कुछ दिन बाद मुंबई में शाम को जो हुआ था वो शानदार था।

मैं किसी भी चीज से ज्यादा इस टीम के साथ इकट्ठा की गईं यादें, दोस्ती को सहेज कर रखूंगा। अब आप कोच हो तो मैं आपके लिए भी यही दुआ करूंगा।

द्रविड़ ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि आप को पूरी तरह से फिट खिलाड़ियों की टीम मिले। इसके लिए आपको गुड लक। आप जानते हैं कि हम कोचेस को अपने आप को जैसे हम हैं उससे थोड़ा चालाक, स्मार्ट दिखाना पड़ता है, इसके लिए भी मैं आपको गुड लक कहना चाहता हूं।

गंभीर राहुल द्रविड़ का मैसेज सुनकर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि राहुल द्रविड़ ने हमेशा वो किया जो भारतीय क्रिकेट के लिए जरूरी था। उन्होंने कहा, राहुल द्रविड़ वो शख्स हैं जिनको मैं काफी पहले से मानता हूं। मैंने कई बार कहा है कि मैं जितने भी खिलाड़ियों के साथ खेला हूं उनमें से राहुल भाई वो क्रिकेटर हैं जो अपने लिए कभी नहीं खेले। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए हर वो काम किया जो जरूरी था।

द्रविड़ का कार्यकाल रहा शानदार

द्रविड़ ढाई साल तक टीम के कोच रहे। उनके रहते टीम इंडिया ने आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। भारत हालांकि खिताब नहीं जीत सका और ऑस्ट्रेलिया से हार गया। द्रविड़ के कोच रहते ही टीम इंडिया ने पिछले साल अपने घर में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी कदम रखा लेकिन यहां भी ऑस्ट्रेलिया से मात खा गया।

द्रविड़ का कार्यकाल यहीं तक था, लेकिन फिर बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप-2024 तक उनका कार्यकाल बढ़ा दिया और ये भारत के लिए फायदेमंद फैसला रहा क्योंकि टीम इंडिया 17 साल बाद टी20 वर्ल्ड कप जीतने में सफल रही।

पुत्र वियोग में जब शिव जी को लेना पड़ा था ज्योति रूप, ऐसी है मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग की महिमा

नई दिल्ली। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, सावन साल का पांचवां महीना है, जो शंकर भगवान को बेहद प्रिय है। यह माह भगवान शिव की पूजा-अर्चना के बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे श्रावण माह के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग इस महीने शिव-पार्वती की आराधना करते हैं, उन्हें मनचाहा वरदान मिलता है। वहीं, जो लोग शिव जी की पूर्ण कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें सावन माह में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का दर्शन जरूर करना चाहिए,क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि देवों के देव महादेव स्वंय इस ज्योतिर्लिंग में विराजित हैं, तो आइए मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग से जुड़ी कुछ रहस्यमयी बातों को जानते हैं -

कहां स्थित है मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

आपको बता दें, आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्री शैल पर्वत पर स्थित है। इसे दक्षिण भारत का कैलाश भी कहते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस ज्योतिर्लिंग में भगवान शंकर और देवी पार्वती संयुक्त रूप में विराजमान हैं। यह धाम करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है, जहां भक्त दूर-दूर से दर्शन करने के लिए आते हैं।

पुत्र वियोग में जब भगवान शिव को लेना पड़ा था ज्योति रूप

पवित्र ग्रंथों और पुराणों के अनुसार, एक बार गणेश भगवान और कार्तिकेय जी के बीच विवाह हेतु झगड़ा हो रहा था कि सर्वप्रथम विवाह कौन करेगा? इस बात का समाधान निकालते हुए शिव जी ने अपने दोनों पुत्रों को एक कार्य सौंप कि जो सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करेगा उसी का विवाह सबसे पहले किया जाएगा।

इसके बाद भगवान कार्तिकेय संपूर्ण पृथ्वी का चक्कर लगाने के लिए निकल पड़े और गणेश जी ने यह विचार किया की जब पूरा संसार ही हमारे माता-पिता शिव-शक्ति में विराजमान हैं, तो क्यों न इन्हीं की परिक्रमा कर ली जाए? इसके पश्चात उन्होंने अपने माता-पिता की 7 बार परिक्रमा की, जिससे वो उस कार्य के विजेता हो गए और इसी के साथ उनका विवाह सबसे पहले हो गया।

वहीं, जब कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा कर वापस लौटे, तो उन्होंने गणेश जी को कार्य का विजेता पाया, जिससे वो नाराज होकर क्रोंच पर्वत पर चले गए। इसके बाद सभी देवी-देवताओं ने उन्हें बहुत मनाने की कोशिश की लेकिन वो नहीं माने, जिसके चलते स्वयं भगवान शंकर और माता पार्वती क्रोंच पर्वत पर गए। अपने माता-पिता के आने की खबर सुनकर कार्तिकेय जी वहां से चले गए। इसके बाद शिव जी ने भगवान कार्तिकेय को देखने के लिए एक ज्योति का रूप धारण किया, जिसमें उनके साथ मां पार्वती भी विराजमान हो गईं थीं। उनके इसी दिव्य स्वरूप को मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। बता दें, इस पूर्ण घटना के दौरान शिव-शक्ति पुत्र वियोग में थे।

अब गाली-गलौज पर उतर आया पाकिस्तान लिखा ऐसा कि पढ़कर खौल जाएगा आपका खून

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है। ऐसे में भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। सुरक्षा कारणों के चलते सरकार ने अब तक टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी है। इस मामले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सरकार और बीसीसीआई का समर्थन किया था। हरभजन का समर्थन पाकिस्तान को पसंद नहीं आया और वह गाली-गलौज पर उतर आया।

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है। ऐसे में भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। सुरक्षा कारणों के चलते सरकार ने अब तक टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी है। इस मामले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सरकार और बीसीसीआई का समर्थन किया था। हरभजन का समर्थन पाकिस्तान को पसंद नहीं आया और वह गाली-गलौज पर उतर आया पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर तनवीर अहमद ने सोशल मीडिया पर हरभजन सिंह के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने शब्दों की मर्यादा तक लांघ दी है।

क्या है पूरा मामला

हरभजन सिंह ने हाल ही एक इंटव्यू में पाकिस्तान में भारतीय टीम की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की थी। भज्जी ने कहा था, भारतीय टीम को पाकिस्तान क्यों जाना चाहिए? पाकिस्तान में सुरक्षा को लेकर चिंता है। स्थिति ऐसी है कि घटनाएं लगभग रोजाना होती हैं। टीम के लिए वहां जाना सुरक्षित नहीं है। बीसीसीआई का रुख बिल्कुल सही है। हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। मैं बीसीसीआई के फैसले का पूरा समर्थन करता हूं। भज्जी के इस बयान पर तनवीर अहमद ने उनकी आलोचना की है।

तनवीर ने किया अभद्र भाषा का प्रयोग

तनवीर अहमद ने एक्स पर लिखा, अरे हरभजन सिंह, पाखंडी अगर आप कहते हैं कि भारत को पाकिस्तान नहीं जाना चाहिए, तो आप पाकिस्तानी खिलाड़ियों से क्यों मिलते हैं? हम यह भी जानते हैं कि आपके देश में किस तरह के पाखंडी हैं।

अगर भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाती है तो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में भी हो सकता है। इससे पहले एशिया का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में हुआ था। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेले थे।

1.4 लाख के तक पहुंची स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन की संख्या, यूपी से आगे निकला गुजरात

देश में स्टार्टअप की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिली है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में कहा कि देश में रजिस्टर्ड स्टार्टअप की संख्या 1.4 लाख पहुंच गई है। राज्यों के हिसाब से सबसे आगे महाराष्ट्र है। भारत सरकार स्टार्टअप को प्रमोट करने के लिए कई कदम उठा रही है। आइए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में स्टार्टअप की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में कहा कि भारत में स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन की संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी रजिस्टर्ड स्टार्टअप डेटा की लिस्ट के अनुसार महाराष्ट्र टॉप पर है।

किस राज्य में कितनी है स्टार्टअप की संख्या

भारत में सबसे ज्यादा स्टार्टअप की संख्या महाराष्ट्र में हैं। यहां 25,044 रजिस्टर्ड स्टार्टअप हैं। इस लिस्ट में कर्नाटक दूसरे नंबर पर आता है। यहां 15,019 पंजीकृत स्टार्टअप है।

कर्नाटक के बाद दिल्ली का नाम है। दिल्ली में रजिस्टर्ड स्टार्टअप की संख्या 14,734 हैं। उत्तर-प्रदेश चौथे पायदान पर हैं। यूपी में स्टार्टअप की संख्या 13,299 है। वहीं, गुजरात ने पांचवें स्थान पर हैं। गुजरात में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 11,436 है।

सरकार कर रही है स्टार्टअप को प्रमोट

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि सरकार स्टार्टअप को प्रमोट करने के लिए कई कदम उठा रही हैं। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की थी। यह पहल देश में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था।

इसके अलावा स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान% में सिप्लिफिकेशन और हैंडहोल्डिंग,फंडिंग समर्थन और प्रोत्साहन, और उद्योग-अकादमिक साझेदारी और इन्क्यूबेशन जैसे क्षेत्रों में फैले 19 एक्शन आइटम शामिल हैं।

स्टार्टअप इंडिया- द वे अहेड में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आत्मनिर्भर भारत ने भी अहम भूमिका निभाई है। सरकार ने स्टार्टअप्स की फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस) की भी स्थापना की है। सरकार ने न केवल शुरुआती चरण, सीड स्टेज और ग्रोथ स्टेज में स्टार्टअप के लिए पूंजी उपलब्ध कराई है।

विकसित भारत के लिए असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में लाना जरूरी कदम- फिक्की महानिदेशक

नई दिल्ली। फिक्की की महानिदेशक ज्योति विज ने 23 जुलाई को पेश हुए केंद्रीय बजट की तारीफ की है और इसे रोजगार सृजन करने वाला बताया है। उनका कहना है कि, पिछले चुनावों में, रोजगार एक बड़ा मुद्दा था, और सरकार ने रोजगार सृजन को बढ़ाने के उपायों को सही ढंग से तेज किया है। मध्यम वर्ग को भी लाभ हुआ है, नई कर व्यवस्था ने कुछ राहत प्रदान की है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर काफी ध्यान दिया गया है; सरकार न केवल इसके बारे में बात कर रही है बल्कि सक्रिय रूप से इसे आगे बढ़ा रही है। बजट को लेकर उन्होंने अपनी विशेष टिप्पणी में और भी कई बातें कहीं हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट में श्रमिकों के हितों की रक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। किसी भी देश के विकास के लिए श्रम उत्पादकता बहुत महत्वपूर्ण है। भारत की श्रमिक संख्या लगभग 56.5 करोड़ है, जिसमें से 45 प्रतिशत से अधिक कृषि में, 11.4 प्रतिशत निर्माण क्षेत्र में, 28.9 प्रतिशत सेवाओं में और 13.0 प्रतिशत निर्माण में कार्यरत हैं।

श्रम संबंधी सुधारों की घोषणा स्वागत योग्य कदम

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या अनुमान के अनुसार, भारत में काम करने वाली आयु की आबादी (15-59 वर्ष) 2044 तक बढ़ती रहेगी। इसी अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर-कृषि क्षेत्र में सालाना लगभग 78.51 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। केंद्रीय बजट में रोजगार संबंधी महत्वपूर्ण उपायों और श्रम संबंधी सुधारों की घोषणा एक स्वागत योग्य कदम है।

असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में लाना जरूरी

विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में लाना एक जरूरी कदम है। ई-श्रम पोर्टल असंगठित श्रमिकों का पहला राष्ट्रीय डेटाबेस है, जिसमें 29 करोड़ से अधिक श्रमिक पोर्टल पर पंजीकृत हैं। असंगठित क्षेत्र के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों को पंजीकृत करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए ई-श्रम पोर्टल लॉन्च किया गया था। नेशनल करियर सर्विस पोर्टल और अन्य मंत्रालयों-विभागों के अन्य पोर्टलों के साथ ई-श्रम पोर्टल का एकीकरण एक बेहतर और आसान श्रम से जुड़ा इकोसिस्टम बनाएगा, जिससे श्रमिकों, नियोक्ताओं और नीति निर्माताओं को समान रूप से लाभ होगा। एकीकृत सेवाएं श्रमिकों को उनके अधिकारों और लाभों की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करेंगी, जिससे उनके चहुंमुखी विकास में सुधार होगा।

श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल का रोल महत्वपूर्ण

श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल का रेनोवेशन एक अधिक कुशल, पारदर्शी और यूजर फ्रेंडली श्रम इकोसिस्टम बन जायेगा। रिपोर्टिंग और रिटर्न जमा करने की सुविधा के लिए एकीकृत श्रम सुविधा पोर्टल को विकसित किया गया है। इस पोर्टल की परिकल्पना रोजगार देने वाली और एनफोर्समेंट एजेंसियों के बीच संपर्क बिंदु के रूप में की गई है, जो उनके कामों में पारदर्शिता लाता है। विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के बीच डेटा के एकीकरण के लिए, किसी भी श्रम कानून के तहत प्रत्येक निरीक्षण योग्य इकाई को पोर्टल के तहत एक श्रम पहचान संख्या दी गयी गई है। यह इज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में एक बड़ा कदम है । बजट में पेश की गई सबसे प्रमुख योजनाओं में से एक, रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना हैं। इन योजनाओं को विशेष रूप से निर्माण क्षेत्र में नए श्रमिकों को काम पर रखने के लिए नियोक्ताओं को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस कदम से सरकार का लक्ष्य औपचारिक क्षेत्रों में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना है, जो बेरोजगारी को कम करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कामकाजी महिला छात्रावास की स्थापना सराहनीय पहल

सरकार द्वारा की गई एक और सराहनीय पहल कामकाजी महिला छात्रावास की स्थापना और इंडस्ट्री के सहयोग से क्रेच की स्थापना करके कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना है। विश्व में सबसे युवा आबादी के साथ जो की 28 वर्ष की औसत आयु है, भारत अपने जनसंख्या के लाभांश का उपयोग कर सकता है जो रोजगार योग्य स्किल्स से लैस है और उद्योग की जरूरतों को पूरा कर सकता है। सरकारी योगदान और उद्योग द्वारा सीएसआर (कसर) के साथ शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना एक बहुत ही नया विचार है। ये ट्रेनी उद्योग की जरूरतों के हिसाब से ज्ञान प्राप्त करने और पेशेवर नेटवर्क बनाने में सक्षम होंगे जिससे नौकरी के साथ-साथ स्व-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

वर्तमान जरूरतों के हिसाब से कौशल की कमी

भारत की तेजी से बढ़ती आबादी का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र का है, और उनमें से कई लोगों के पास वर्तमान जरूरतों के हिसाब से जरूरी कौशल का अभाव है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 51.25 प्रतिशत युवा ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं, दूसरे शब्दों में कहें तो लगभग हर दो में से एक युवा कॉलेज के तुरंत बाद रोजगार के योग्य नहीं होता है। सरकार द्वारा यह पहल शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के बीच संबंध को मजबूत करने में मदद करेगी।

वेदवती कैसे बनी रावण के विनाश का कारण सीता के रूप में हुआ अवतार

हिंदू धर्म में रामायण और रामचरितमानस के अलावा भी ऐसे कई ग्रंथ मिलते हैं जिसमें राम कथा का वर्णन मिलता है। लेकिन सभी कथाओं में कुछ-न-कुछ अंतर भी मिलता पाया जाता है। इसी प्रकार आज हम आपको एक अन्य पुराण में वर्णित एक कथा के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें रावण को मिले श्राप की कथा मिलती है।

नई दिल्ली। रामायण और श्रीरामचरित मानस में भगवान राम से संबंधित कथा मिलती है। आज हम आपको अन्य पुराणों में वर्णित एक ऐसी कथा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें यह बताया गया है कि माता सीता किसका अवतार थीं और वह किस तरह रावण के विनाश का कारण बनीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में मिलती है कथा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में माता सीता को वेदवती का अवतार बताया गया है। इसमें वर्णित कथा के अनुसार, वेदवती भगवान विष्णु की परम भक्त थी और वह उन्हें पति के रूप में पाने के लिए तपस्या कर रही थीं। तभी वहां से रावण गुजर रहा था, और उसकी नजर वेदवती पर पड़ी। वेदवती सुंदर थी, जिस कारण रावण उसपर मोहित हो गया और उसकी तपस्या भंग करने लगा।

वेदवती ने रावण को दिया ये श्राप

रावण वेदवती को अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगा। जिससे आहत होकर वेदवती ने अग्निकुंड में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। अग्नि कुंड में कूदने से पहले वेदवती ने रावण को श्राप दिया की वही उसकी मृत्यु का कारण बनेगी।

इस तरह राजा जनक की पुत्री बनी सीता

मिथिला के राजा जनक के राज में कई वर्षों से वर्षा नहीं हो रही थी। जिस कारण सुखे की स्थिति पैदा हो गई थी। तब ऋषियों की सलाह पर राजा ने सोने का हल बनाकर स्वयं जमीन पर हल चलाया। इस दौरान उन्हें एक कलश मिला जिसमें से एक सुंदर कन्या निकली। क्योंकि राजा निसंतान थे, इसलिए उन्होंने उस कन्या को अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया। ऐसा माना जाता है कि वेदवती का ही जन्म माता सीता के रूप में हुआ और श्राप के अनुसार, सीता जी ही रावण की मत्यु का कारण बनी।

LIC Scheme for Daughter: बेटी के लिए बेस्ट है कन्यादान पॉलिसी, 3000 रुपये के प्रीमियम पर मिलेगी 22 लाख रुपये की मैच्योरिटी

LIC Scheme for Daughter बेटियों के उज्वल भविष्य के लिए एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी काफी अच्छा ऑप्शन है। इस पॉलिसी प्लान के तहत आप अपनी बेटी के लिए मोटा फंड जमा कर सकते हैं। इस टर्म पॉलिसी प्लान में टैक्स बेनिफिट लोन फैसिलिटी के साथ कई और फायदे मिलते हैं। आइए इस आर्टिकल में इस पॉलिसी प्लान के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में लगातार महंगाई बढ़ रही है। ऐसे में बच्चों के भविष्य की चिंता माता-पिता को रहती है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर शादी के लिए वह सेविंग के साथ कई जगह पर निवेश करते हैं। वर्तमान में बाजार में बच्चों की भविष्य के लिए कई पॉलिसी प्लान मौजूद है। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी जीवन बीमा निगम (LIC) ने बेटियों के लिए भी स्पेशल पॉलिसी प्लान शुरू किया है।

एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी (LIC Kanyadaan Policy) बेटियों के उज्वल भविष्य के लिए काफी अच्छा ऑप्शन है। इस प्लान में आप अपनी बेटी के लिए 22.5 लाख रुपये का फंड जमा कर सकते हैं। इसके अलावा इस स्कीम में टैक्स बेनिफिट्स, लोन फैसिलिटी आदि की भी सुविधा मिलती है। अगर आपकी बेटी की आयु 1 साल से 10 साल के बीच है तो आप इस प्लान में निवेश कर सकते हैं।

एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी के बारे में

एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी टर्म इंश्योरेंस है। इस पॉलिसी का टेन्योर 13-25 साल का है।

इसमें प्रीमियम भुगतान के लिए मासिक, तिमाही, छमाही और वार्षिक में से कोई एक ऑप्शन सेलेक्ट कर सकते हैं।

मैच्योरिटी के समय आपको सम एश्योर्ड+बोनस+फाइनल बोनस मिलाकर कुल राशि मिलती है।

इस स्कीम में निवेश के लिए बेटी के पिता की आयु 50 साल से कम होनी चाहिए।

एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी के फायदे (LIC Kanyadaan Policy benefits)

एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी खरीदने के तीसरे साल में ही निवेशक को लोन की सुविधा मिल जाती है।

पॉलिसी के दो साल हो जाने के बाद निवेशक के पास सरेंडर करने का ऑप्शन होता है।

इस पॉलिसी में ग्रेस पीरियड में प्रीमियम भरने का ऑप्शन मिलता है। इसमें अगर किसी महीने आप प्रीमियम का भुगतान नहीं करते हैं तो आप बिना लेट फीस के अगले 30 दिन में प्रीमियम भर सकते हैं।

कन्यादान पॉलिसी में प्रीमियम के भुगतान पर 80सी के तहत डिडक्शन का लाभ मिलता है।

मैच्योरिटी अमाउंट पर भी सेक्शन 10डी के तहत टैक्स बेनिफिट मिलता है।

मैच्योरिटी के बाद कितना मिलेगा लाभ

अगर आप 25 साल के लिए एलआईसी की कन्यादान पॉलिसी में निवेश करते हैं और आपको सालाना 41,367 रुपये का निवेश करना होगा। इसका मतलब है कि हर महीने लगभग 3,447 रुपये का प्रीमियम होगा। 25 साल के मैच्योरिटी के लिए आपको केवल 22 साल तक ही निवेश करना है। अब मैच्योरिटी के बाद आपको करीब 22.5 लाख रुपये का लाभ मिलेगा।

डेथ बेनिफिट का लाभ

अगर पॉलिसी के दौरान पिता की मौत हो जाए तो बच्ची को प्रीमियम का भुगतान नहीं करना होगा। इस स्थिति में प्रीमियम माफ हो जाता है। इसके अलावा 25 साल तक बच्ची को सालाना 1 लाख रुपये मिलेंगे और मैच्योरिटी के बाद लंप सम अमाउंट मिलेगा। वहीं, अगर पिता की मौत रोड एक्सीडेंट की वजह से होती है तब डेथ बेनिफिट्स के साथ 10 लाख रुपये का एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट भी मिलता है। एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट का लाभ नॉमिनी को मिलता है।

सावन में बेलपत्र से जुड़े नियमों का जरूर रखें ध्यान, तभी सफल मानी जाएगी पूजा

शिव जी की पूजा में बेलपत्र जरूरी रूप से अर्पित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि शिव जी को जल और बेलपत्र अर्पित करने से भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। ऐसे में सावन में शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाते समय कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए ताकि आपके ऊपर भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहे।

नई दिल्ली। शिव जी की प्रिय माह यानी सावन में शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाना बहुत ही शुभ माना जाता है। इससे महादेव की असीम कृपा प्राप्त होती है, जिससे साधक के जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि सावन में बेलपत्र से जुड़े किन नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

इस दिन न तोड़े बेलपत्र

सावन में कभी भी सोमवार के दिन बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए। क्योंकि मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सभी देवी-देवता बेलपत्र में वास करते हैं और इन्हें तोड़ने से उनका अपमान माना जाता है।

इसके साथ ही बेलपत्र को चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथि के दिन तोड़ना भी शुभ नहीं माना जाता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

ऐसा माना जाता है कि बेलपत्र कभी भी बासी नहीं होता, इसलिए आप चढ़ाने से कुछ दिन पहले भी बेलपत्र तोड़कर रख सकते हैं और धोकर इसे शिवलिंग पर चढ़ा सकते हैं।

इस बात का भी ध्यान रखें कि बेलपत्र को कभी भी टहनी के साथ अर्पित नहीं करना चाहिए।

इस तरह करें अर्पित

शिव जी को अर्पित करने के लिए हमेशा तीन पत्तियों वाला बेलपत्र ही लेना चाहिए। शिव जी को बेलपत्र अर्पित करने के लिए अंगूठे, अनामिका और मध्यमा अंगुली का ही इस्तेमाल करना चाहिए। मनोकामना पूर्ति के लिए शिवलिंग पर 11, 21, 51 या फिर 108 बेलपत्र अर्पित करना शुभ माना जाता है।

बोले ये मंत्र

बेलपत्र तोड़ते समय नमः शिवाय का जाप करना चाहिए। आप इस मंत्र का जाप कर सकते हैं।

ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और साधक को उनके आशीर्वाद की प्राप्ति होती है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

मानसून में आपको हेल्दी बनाएंगी अच्छी आदतें, बीमारियों को दूर रखने के लिए रखें इन बातों का ध्यान

बरसात में मौसम में कई सारी बीमारियां और संक्रमण लोगों को अपना शिकार बना लेती हैं। इसलिए इस दौरान अक्सर लोग बीमार हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बरसात के दिनों में अपनी सेहत का खास ख्याल रखा जाए ताकि खुद को और अपने चाहने वालों को मानसून की बीमारियों से बचाया जा सके। जानते हैं रूभ्रह्लह्यशश्ठ्ठ में हेल्दी रहने के लिए क्या करें और क्या नहीं।

नई दिल्ली। बारिश का मौसम आते ही गर्मी की तपन से राहत मिलती है और दिल चाय-पकौड़े खाने को करने लगता है। हालांकि, सुहाने मौसम के साथ ही बारिश कई सारी बीमारियां और सेहत में बदलाव भी लेकर आती है।

ऐसे में अपनी लाइफस्टाइल में कुछ ऐसे बदलाव करने चाहिए, जिससे बारिश के मौसम से आप बीमारियों से दूर रहें और इस सुहाने मौसम का जमकर लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी टिप्स के बारे में, जिनकी मदद से आप अपना और अपने चाहने वालों इस मौसम में ध्यान रख सकते हैं।

आइए जानते हैं कि बारिश के मौसम में क्या करें और क्या नहीं, जिससे आप स्वस्थ बने रहें-

मानसून में क्या करें-

बारिश में कीड़े-मकौड़े ज्यादा लगने लगते हैं। इस दौरान हाइजीन का ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। इसके लिए खाने-घर की सफाई और कपड़े धोने सुखाने का सही तरीके से ध्यान रखें।

जितना अधिक हो सके विटामिन सी का सेवन करें। इससे शरीर की इम्युनिटी बढ़ेगी और ठंड, सर्दी, जुकाम जैसे फ्लू के लक्षणों के होने की संभावना कम रहेगी।

अगर संभव हो तो पानी उबाल कर पिएं। जितना हो सके पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

न तो बहुत गर्म और न ही बहुत ठंडी तासीर का खाना खाएं। मध्यम तासीर वाला खाना खाएं, जिससे शरीर के अंदर सर्द-गर्म होने से किसी प्रकार की बीमारी न हो। ब्राउन राइस, ओट्स, खिचड़ी, हल्दी दूध, सूप, ग्रीन टी जैसी चीजों का सेवन करें। तेल मसाले या ज्यादा नमक वाले फूड्स, मछली या साग जैसी चीजों को खाने से परहेज करें। ज्यादा पानी वाली सब्जियां न खाएं, क्योंकि इस दौरान वॉटर बॉर्न डिजीज होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में सब्जियों को अच्छे से उबाल कर पकाएं।

मानसून में क्या न करें-

स्ट्रीट फूड का सेवन न करें।

फ्रोजन या रेफ्रिजरेट किए हुए प्रोडक्ट के सेवन से बचें।

चिल्ड ड्रिंक्स न पिएं।

सलाद या कच्ची सब्जियों के सेवन से भी बचें। खाना जरूरी हो तो इन्हें उबाल कर या फिर अच्छे से रगड़ कर धुलें और तभी खाएं।

बारिश में भीगने पर सीधा एयर कंडीशन कमरे में न जाएं। इससे जुकाम या फ्लू लगने की संभावना बढ़ जाती है।

इसलिए साफ पानी से नहा कर फिर शरीर को पोंछ कर और सुखा कर ही एसी के सामने जाएं।

गुणों का भंडार होते हैं छोटे से काले तिल, डाइट में शामिल करने से मिलते हैं कई गजब के फायदे

भारतीय रसोई में कई ऐसे मसाले इस्तेमाल किए जाते हैं जो खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही सेहत भी दुरुस्त करते हैं। काले तिल यानी इन्हीं में से एक है जिन्हें कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। यह कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होने की वजह से सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।

नई दिल्ली। तिल सफेद हो या काला, दोनों के ही अपने फायदे हैं। अपने गुणों के कारण काला तिल एक सुपरफूड की श्रेणी में भी आता है। काला तिल एक हर्बल मसाले जैसा है, जो निजेला सटाइवा पौधे से मिलता है। ये एक अच्छा एंटी-ऑक्सीडेंट है और साथ ही इसमें एंटी-बैक्टिरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं। ये एक पावरफुल इम्यून मॉड्यूलेटर है, जिससे इम्यून सिस्टम संतुलित बना रहता है। सदियों से काले तिल का इस्तेमाल तरह-तरह के पकवान बनाने के साथ कई तरह की दवा के रूप में भी होता है।

कैसे इस्तेमाल होता है काला तिल

कई प्रकार के नान, मफिन्स, केक, नट्स आदि में काले तिल छिड़क कर इसे सजाया जाता है। नमकीन कचौरी या पंचफोरन से बने मसालों में भी काले तिल का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही सिरदर्द, दांत दर्द, अस्थमा, आर्थराइटिस, कंजंक्टिवाइटिस जैसे तमाम स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में इसका प्रयोग किया जाता है।

काले तिल के फायदे-

शोध के अनुसार खांसने, गले की खराश और अस्थमा के मामले में काले तिल का सेवन करने से बहुत सुधार आता है। यह म्यूकस कम करता है और इन्फ्लेमेशन घटा कर इस प्रकार की एलर्जी से बचाता है। साइन्यूसाइटिस के मामले में भी काला तिल बहुत फायदेमंद होता है।

काले तिल का सेवन करने से डायबिटीज के मरीज का ब्लड शुगर लेवल और कोलेस्ट्रॉल लेवल दोनों ही संतुलित बना रहता है। काले तिल में लिनोलिक एसिड और ओलिक एसिड जैसे हेल्दी फैटी एसिड पाए जाते हैं, जो कॉलेस्ट्रॉल के लेवल को संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं। हाई ब्लड प्रेशर को भी कम करने में काले तिल की भूमिका होती है। काले तिल से स्पर्म काउंट भी बढ़ता है। काले तिल के तेल से ब्रेस्ट का मसाज करने से ब्रेस्ट में हो रहा दर्द कम होता है।

काली तिल एक बेहतरीन एंटी-ऑक्सीडेंट होने के कारण बालों को झड़ने से रोकता है और इनका पतला होना भी कम करता है। यह सोरिएसिस और एक्जिमा के लक्षणों में सुधार लाता है। फंक्शनल डिस्पेप्सिया जैसे कंडीशन में काला तिल का सेवन करने से ये गैस्ट्रिक अल्सर और कोलाइटिस जैसी समस्याओं से निजात दिलाता है।

हेल्दी लाइफ के लिए जरूरी है हेल्दी ब्रेन, इन आदतों से बनाएं अपने दिमाग को एक्टिव और प्रोडक्टिव

सेहतमंद रहने के लिए हमारे दिमाग का हेल्दी होने बेहद जरूरी है। एक Healthy Brain हेल्दी लाइफ को बढ़ावा देता है। हालांकि इन दिनों बदलती लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतें ब्रेन हेल्थ पर बुरा असर डालती हैं। इससे ब्रेन की प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी खराब होती है। ऐसे में इन टिप्स की मदद से Brain Health में सुधार ला सकते हैं।

नई दिल्ली। दिमाग हमारे शरीर का सबसे अहम अंग होता है। यह हमारी सभी भावनाएं, संवेदनाएं, इच्छाएं और उन सभी कार्यों को करने से मदद करता है, जो हमारे लिए जरूरी है। इसके अलावा यह कई जरूरी कार्य भी करता है, जिसमें जानकारी हासिल करना, उसे प्रोसेस करना और फिर उसके मुताबिक कार्य करना शामिल हैं। साथ ही ब्रेन हमारे जीवन की विभिन्न यादों को भी सुरक्षित रखता है।

ऐसे में इतने जरूरी कार्य करने के लिए दिमाग का हेल्दी और एक्टिव रहना जरूरी है, लेकिन इन दिनों तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतें लोगों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। इसका असर हमारे दिमाग पर भी पड़ता है, जिससे हमारी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी कम होने लगती है। ऐसे में डॉक्टर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद में न्यूरोलॉजी के निदेशक डॉ. विनीत बंगा ने जागरण से बातचीत में दिमाग को हेल्दी और एक्टिव रखने के लिए कुछ टिप्स बताए। आइए जानते हैं दिमाग की कार्यक्षमता को बढ़ाने और इसे बनाए रखने के लिए

कुछ जरूरी टिप्स-

हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट

पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लेने ब्रेन हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है। एंटीऑक्सीडेंट, हेल्दी फैट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर फूड्स दिमाग को बेहतर ढंग से काम करने के लिए जरूरी एनर्जी और पोषण देते हैं। इसके लिए अपनी डाइट में पत्तेदार सब्जियां, बेरीज, मछली, ड्राई फ्रूट्स और सीड्स शामिल करें। सैल्मन जैसी मछली में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड ब्रेन हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है।

रेगुलर एक्सरसाइज

फिजिकल एक्टिविटी ब्रेन में ब्लड फ्लो को बढ़ाती है, जो मेमोरी और फोकस जैसे कॉग्नेटिव फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसलिए हफ्ते के ज्यादातर दिनों में कम से कम 30 मिनट की मीडियम एक्सरसाइज करने का लक्ष्य रखें। इसके लिए वॉकिंग, स्वीमिंग और योग जैसी एक्टिविटीज ब्रेन फंक्शन को बढ़ावा दे सकती हैं।

ब्रेन एक्सरसाइज करें

अपने दिमाग को एक्टिव बनाने के लिए आप विभिन्न तरह की ब्रेन एक्सरसाइज की मदद ले सकते हैं। पहेलियां, रीडिंग, ऑप्टिकल इल्युजन जैसी ब्रेन एक्टिविटी आपके दिमाग को तेज रखने में मदद कर सकती हैं।

पर्याप्त नींद लें

आपकी पूरी हेल्थ के लिए पर्याप्त और अच्छी नींद बेहद जरूरी है। यह ब्रेन हेल्थ के लिए भी जरूरी मानी जाती है, क्योंकि नींद के दौरान ब्रेन यादों को मजबूत करता है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है।

इसलिए हर रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद का लक्ष्य रखें। अच्छी नींद लेने के लिए सोने से पहले कैफीन लेने और इलेक्ट्रॉनिक्स के इस्तेमाल से बचें और नींद की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक आरामदायक वातावरण बनाएं।

स्ट्रेस मैनेज करें

लंबे समय तक तनाव में रहने से सेहत पर बुरा असर पड़ने लगता है। इससे ब्रेन फंक्शन पर निगेटिव असर पड़ता है। ऐसे में हेल्दी ब्रेन के लिए मेडिटेशन, डीप ब्रीदिंग और माइंडफुलनेस जैसी एक्सरसाइज की मदद ले सकते हैं।

इसके अलावा नियमित रूप से अपनी की चीज करना, करीबियों के साथ समय बिताना और ब्रेक लेना भी तनाव को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है।

पानी पीते रहें

मस्तिष्क के कामकाज को बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी है। यह हमारे पूरे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। डिहाइड्रेशन फोकस और कॉग्नेटिव फंक्शन को खराब कर सकता है। इसलिए अपने मस्तिष्क को एक्टिव रखने और सही तरीके से काम करने के लिए दिन भर खूब पानी पिएं।

शराब और स्मोकिंग से बचें

बहुत ज्यादा शराब पीने और स्मोकिंग करने से ब्रेन सेल्स को नुकसान पहुंचा सकता है और यह कॉग्नेटिव फंक्शन को खराब कर सकता है। ऐसे में शराब का सेवन कम या बंद करने और स्मोकिंग से परहेज करने से ब्रेन हेल्थ को काफी फायदा हो सकता है।

रेगुलर चेकअप

रेगुलर चेकअप हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी कंडीशन का पता लगाने और मैनेज करने में मदद कर सकती है, जिससे ब्रेन हेल्थ प्रभावित हो सकता है।

इन स्थितियों को मैनेज करने से कॉग्नेटिव फंक्शन पर उनके निगेटिव प्रभावों को रोका जा सकता है।

हेल्दी सप्लीमेंट्स लें

ब्रेन को एक्टिव और हेल्दी बनाने के लिए ऐसे सप्लीमेंट्स की मदद ले सकते हैं, जो ब्रेन हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसके लिए आप ओमेगा -3 फैटी एसिड, बी विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट जैसे सप्लीमेंट्स डॉक्टर की सलाह पर ले सकते हैं।

अपनी फीमेल को-स्टार्स को काम से खा जाती हैं जाह्नवी कपूर

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने अपने एक्टिंग टैलेंट से लोगों के दिलों में अलग जगह बनाई है। इस साल रिलीज हुई फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार राव के साथ उनकी जोड़ी भी पसंद की गई

मुंबई। हर कलाकार का अपना सफर होता है। कई बार ऐसा होता है कि कुछ कलाकार अपना सफर साथ शुरू करते हैं, लेकिन वह एक ही मुकाम पर नहीं पहुंच पाते हैं। कोई आगे निकल जाता है, कोई संघर्ष करता रह जाता है। कई बार सितारों के बीच इन चीजों को लेकर मनमुटाव की भी खबरें आती हैं कि एक का आगे निकलना उसके साथ के कलाकार को रास नहीं आता। हालांकि, बात करें अगर अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की, तो वह इस तरह की प्रतिस्पर्धा में यकीन नहीं रखती हैं।

उलझ का ये डायलॉग हुआ वायरल

जाह्नवी कपूर लगातार कई फिल्में कर रही हैं। हाल ही में उनकी रिलीज होने वाली फिल्म उलझ का एक संवाद वायरल हुआ है, जिसमें जब उनके पात्र से पूछा जाता है कि ये बकरी क्या करेगी, तो वह कहती हैं कि पूरा का पूरा शेर खा जाएगी।

अपना सिर नीचे करके काम कर रही हूं

शुक्रवार को मुंबई में हुए इस फिल्म के एक गाने के लॉन्च पर जब जाह्नवी से पूछा गया कि क्या जिन कलाकारों ने उनके साथ अपना सफर शुरू किया था या जो इस दौर में काम कर रही हैं, उन्हें भी वह काम से खा जाएंगी? इस पर उन्होंने विनम्रता से जवाब देते हुए कहा कि मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है, न ही ऐसा कोई विचार कभी मन में आया है। मैं बस अपना सिर नीचे करके काम कर रही हूं।

आमिर खान ने महेश भट्ट के सामने फिल्म गुलाम को लेकर रखी थी एक शर्त, निर्देशक को छोड़नी पड़ी थी फिल्म

फिल्म निर्माता महेश भट्ट के पास हमेशा कहानियों की भरमार रहती है। उनके करियर में एक ऐसा भी समय था जब डायरेक्शन से उनका मन भर गया था और उन्हें यकीन हो गया था कि फिल्में इतनी बड़ी नहीं हैं कि वे अपना पूरा जीवन इसमें समर्पित कर सकें। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने इस बारे में बात की।

नई दिल्ली। जाने माने फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट ने हमें कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। हाल ही में उन्होंने एक बॉलीवुड एक्टर के बारे में ऐसा खुलासा किया जिसे सुनकर शायद आपको भी यकीन ना हो। फिल्म निर्माता ने बताया कि एक समय ऐसा था जब उन्हें यकीन हो गया था कि फिल्में इतनी बड़ी नहीं हैं कि वे अपना पूरा जीवन समर्पित कर सकें। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में भट्ट साहब ने बताया कि उन्हें आमिर खान की फिल्म %गुलाम%से इसलिए बाहर होना पड़ा था क्योंकि एक्टर ने उनसे अपना पूरा जीवन इसके लिए समर्पित करने के लिए कहा था। बता दें कि इस फिल्म को पहले महेश भट्ट डायरेक्ट करने वाले थे। लेकिन जब उन्होंने फिल्म छोड़ दी तो फिर विक्रम भट्ट ने इसका निर्देशन किया। गुलाम एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी जिसमें रानी मुखर्जी उनके अपोजिट नजर आई थीं।

मेरे लिए इतना मायने नहीं रखती

महेश भट्ट ने कहा,मैंने इस फिल्म को छोड़ने का फैसला किया। आमिर खान फिल्म को लेकर काफी भावुक थे उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अपना जुनून इसमें लगा सकता हूं? मैंने नहीं सोचा था कि फिल्में मेरे लिए इतनी मायने रखती हैं कि मैं अपनी पूरी जिंदगी इसके लिए समर्पित कर दूं। मेरे लिए इसका कोई खास मतलब नहीं है और अगर मैं ऐसे ही कहता हूं तो यह झूठ होगा।

निर्देशक ने कहा कि मुझे फिल्में बनाना पसंद जरूर है लेकिन वह अपना पूरा जीवन इसके लिए नहीं दे सकते। महेश भट्ट ने बताया कि उनका जवाब सुनकर आमिर खान हैरान रह गए थे।

सजेस्ट किया था विक्रम भट्ट का नाम इसके बाद महेश भट्ट ने ही इस प्रोजेक्ट के लिए विक्रम भट्ट का नाम आमिर को सुझाया था। उन्होंने आमिर से कहा था कि %अगर कोई एक व्यक्ति जो इसके लिए अपनी जान दे सकता है,तो वह विक्रम भट्ट हैं।% पुरानी यादें ताजा करते महेश भट्ट ने स्क्रीनिंग के बाद कहा था कि उनके भाई ने उनसे कहीं बेहतर फिल्म बनाई।

महेश भट्ट और विक्रम भट्ट एक बार फिर से फिल्म ब्लडी इश्क के लिए साथ आए हैं। इस फिल्म में अविका गौड़ और वरदान पुरी नजर आएंगे।

Aamir Khan ने महेश भट्ट के सामने फिल्म गुलाम को लेकर रखी थी एक शर्त, निर्देशक को छोड़नी पड़ी थी फिल्म

फिल्म निर्माता महेश भट्ट के पास हमेशा कहानियों की भरमार रहती है। उनके करियर में एक ऐसा भी समय था जब डायरेक्शन से उनका मन भर गया था और उन्हें यकीन हो गया था कि फिल्में इतनी बड़ी नहीं हैं कि वे अपना पूरा जीवन इसमें समर्पित कर सकें। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने इस बारे में बात की।

एंटरटेनमेंट डेस्क,नई दिल्ली। जाने माने फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट ने हमें कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। हाल ही में उन्होंने एक बॉलीवुड एक्टर के बारे में ऐसा खुलासा किया जिसे सुनकर शायद आपको भी यकीन ना हो।

फिल्म निर्माता ने बताया कि एक समय ऐसा था जब उन्हें यकीन हो गया था कि फिल्में इतनी बड़ी नहीं हैं कि वे अपना पूरा जीवन समर्पित कर सकें। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में भट्ट साहब ने बताया कि उन्हें आमिर खान की फिल्म %गुलाम%से इसलिए बाहर होना पड़ा था क्योंकि एक्टर ने उनसे अपना पूरा जीवन इसके लिए समर्पित करने के लिए कहा था। बता दें कि इस फिल्म को पहले महेश भट्ट डायरेक्ट करने वाले थे। लेकिन जब उन्होंने फिल्म छोड़ दी तो फिर विक्रम भट्ट ने इसका निर्देशन किया। गुलाम एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी जिसमें रानी मुखर्जी उनके अपोजिट नजर आई थीं।

मेरे लिए इतना मायने नहीं रखती

महेश भट्ट ने कहा,मैंने इस फिल्म को छोड़ने का फैसला किया। आमिर खान फिल्म को लेकर काफी भावुक थे उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अपना जुनून इसमें लगा सकता हूं? मैंने नहीं सोचा था कि फिल्में मेरे लिए इतनी मायने रखती हैं कि मैं अपनी पूरी जिंदगी इसके लिए समर्पित कर दूं। मेरे लिए इसका कोई खास मतलब नहीं है और अगर मैं ऐसे ही कहता हूं तो यह झूठ होगा।

निर्देशक ने कहा कि मुझे फिल्में बनाना पसंद जरूर है लेकिन वह अपना पूरा जीवन इसके लिए नहीं दे सकते। महेश भट्ट ने बताया कि उनका जवाब सुनकर आमिर खान हैरान रह गए थे।

सजेस्ट किया था विक्रम भट्ट का नाम इसके बाद महेश भट्ट ने ही इस प्रोजेक्ट के लिए विक्रम भट्ट का नाम आमिर को सुझाया था। उन्होंने आमिर से कहा था कि अगर कोई एक व्यक्ति जो इसके लिए अपनी जान दे सकता है,तो वह विक्रम भट्ट हैं। पुरानी यादें ताजा करते महेश भट्ट ने स्क्रीनिंग के बाद कहा था कि उनके भाई ने उनसे कहीं बेहतर फिल्म बनाई।

महेश भट्ट और विक्रम भट्ट एक बार फिर से फिल्म ब्लडी इश्क के लिए साथ आए हैं। इस फिल्म में अविका गौड़ और वरदान पुरी नजर आएंगे।

सिर्फ 15 मिनट की वॉक भी ला सकती है सेहत में बड़ा बदलाव

इन दिनों हर कोई अपनी लाइफ में काफी बिजी है। इसकी वजह से लोग अक्सर अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाते हैं और कई समस्याओं का शिकार हो जाते हैं। हेल्दी रहने के लिए सही खानपान के साथ ही एक्सरसाइज भी जरूरी है। हालांकि बिजी शेड्यूल के चलते ऐसा करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप सिर्फ 15 मिनट वॉक खुद को हेल्दी बना सकते हैं।

नई दिल्ली। सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी डाइट के साथ ही रोजाना एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। हालांकि, बिजी लाइफस्टाइल के चलते लोगों के पास फिजिकल एक्सरसाइज करने का जरा भी समय नहीं होता है। ऐसे में वॉकिंग एक बढ़िया तरीका है, कम समय में खुद को हेल्दी बनाने का। यही वजह है कि आजकल 10,000 स्टेप्स चलना ट्रेंडिंग हो गया है। ऐसे ट्रेंड्स सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं और इनका पालन करने में कोई बुराई नहीं है।

अगर बिजी शेड्यूल में वर्कआउट करने का समय नहीं है, तो कम से कम वॉक तो जरूर करना चाहिए। बिना किसी खास मशीन और साधन के होने वाले इस साधारण से वर्कआउट के ढेरों फायदे हैं। अगर आपके पास ये बहाना है कि आपके पास वॉक करने का भी समय नहीं है, तो आपको बता दें कि मात्र 15 मिनट की वॉक भी आपकी सेहत में अच्छा खासा बदलाव ला सकती है। इसलिए अपने वॉकिंग शूज निकालें और निकल पड़ें सेहत की इस दौड़ में जिसके ढेरों फायदे हैं।

वॉकिंग के फायदे

वॉकिंग से शरीर के ब्लड फ्लो और मूवमेंट में सुधार आता है। वॉकिंग इनसोम्निया दूर करने के साथ अच्छी नींद को प्रमोट करता है।

वॉकिंग करने से जगह बदलती है जिससे स्टेट ऑफ बीइंग यानी आपके एक ही जगह पर पड़े रहने की अवस्था को बदलता है जिससे शरीर में हैप्पी हार्मोन बनते हैं और ये मूड को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। ये डिप्रेशन पैदा करने वाले विचारों को भी दूर करता है और मूड फ्रेश करता है। वॉक करने से बुजुर्गों का कोरोनरी आर्टरी डिजीज से बचाव होता है। वॉकिंग करने से कैलोरी बर्न होती है जिससे वज़न कम करने में मदद मिलती है। खाने के बाद मात्र 15 मिनट वॉक कर लेने से शुगर लेवल लगभग 20 तक कम हो सकता है। यह 60त्न तक क्रिएटिव आउटपुट बढ़ाता है जिससे हार्ट संबंधित समस्याओं से बचाव होता है।

सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर संग देखी डेडपूल एंड वुल्वरिन , थिएटर्स से एक्ट्रेस का रिएक्शन वायरल

भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। भारतीय दर्शक भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा भी अपने पति जहीर इकबाल के साथ हॉलीवुड मूवी देखने के लिए गईं। जहीर ने सोशल मीडिया पर मूवी देखते हुए थिएटर से अपनी पत्नी की फोटो शेयर की है।

नई दिल्ली। हॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म डेडपूल एंड वुल्वरिन 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। भारत में फिल्म ने आते ही तूफान मचा दिया है। फिल्म ने पहले ही भारत में जमकर नोट छापे हैं। सिर्फ एक दिन का कलेक्शन लगभग 22 करोड़ बताया जा रहा है। सिर्फ आम जनता ही नहीं, बॉलीवुड सेलेब्स के बीच भी फिल्म को लेकर क्रेज है। इसका ताजा उदाहरण सोनाक्षी सिन्हा हैं। शुक्रवार को सोनाक्षी सिन्हा अपने पति जहीर इकबाल के साथ सिनेमाघर में डेडपूल एंड वुल्वरिन देखने गईं। सोनाक्षी को यह हॉलीवुड फिल्म कैसी लगी, यह उनके एक्सप्रेशन से ही पता चल गया है।

सोनाक्ष-जहीर ने देखी डेडपूल एंड वुल्वरिन

जहीर इकबाल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पत्नी सोनाक्षी की सिनेमाघर से एक वीडियो शेयर किया है। क्लिप में सोनाक्षी मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। इसके साथ जहीर ने कैप्शन में डेडपूल एंड वुल्वरिन लिखा है।

थिएटर्स में बैठीं एक्ट्रेस ने ब्लैक टी-शर्ट पहनी है और ऊपर से जैकेट से खुद को कवर किया है। काला चश्मा लगाये उनकी ये तस्वीर देख साफ पता चल रहा है कि उन्हें यह मूवी कितनी पसंद आई है।

फिलीपींस में मनाई थी वन मंथ एनिवर्सरी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने पिछले महीने ही एक-दूसरे के साथ सिविल मैरिज की है। शादी के बाद से ही न्यूली मैरिड कपल एक-दूसरे के साथ रोमांटिक पलों को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहा है।

हाल ही में, कपल अपने हनीमून के लिए फिलीपींस भी गया था, जहां उन्होंने अपना वन मंथ वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की थी।

सोनाक्षी सिन्हा का वर्क फ्रंट

मालूम हो कि सोनाक्षी सिन्हा को आखिरी बार फिल्म काकुड़ा में देखा गया था। जी5 पर रिलीज हुई हॉरर कॉमेडी मूवी में उन्होंने डबल रोल निभाया। ओटीटी पर इस फिल्म को खूब पसंद किया गया। इससे पहले सोनाक्षी ने वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार को लेकर खूब तारीफें बटोरी थीं।

श्वेता तिवारी 2 शादी और 2 बच्चे, फिर भी कम नहीं श्वेता तिवारी का ग्लो, बाथरोब में दिए किलर पोज

नई दिल्ली। करीब 7 साल तक कसौटी जिंदगी टीवी सीरियल जरिए प्रेरणा बनकर श्वेता तिवारी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। 43 साल की उम्र में टूटी हुई दो शादी का दर्द झेलने के बाद भी श्वेता की खूबसूरती में कोई कमी नहीं आई है। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं श्वेता अक्सर अपनी किलर फोटोज के जरिए इंटरनेट का तापमान बढ़ाती रहती हैं। इस बीच श्वेता तिवारी की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह अपने कातिलाना हुस्न का जलवा बिखेर रही हैं।

श्वेता तिवारी ने शेयर कीं लेटेस्ट तस्वीरें

छोटे पर्दे की सबसे ब्यूटीफुल अदाकाराओं में श्वेता तिवारी का नाम भी शामिल होता है। आए दिन अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक्ट्रेस कमाल की तस्वीरें अपलोड करती हैं, शनिवार को भी श्वेता ने कुछ लेटेस्ट फोटोज को शेयर किया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि श्वेता तिवारी बाथरोब पहन किलर पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही अपनी कामुक अदाओं के दम पर अभिनेत्री फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने का काम कर रही हैं। इतना ही नहीं श्वेता कि कातिलाना मुस्कान इन तस्वीरों की खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा रही हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो श्वेता तिवारी की ये फोटोज हद से ज्यादा हॉट और बोल्ड हैं, जो किसी का भी दिल आसानी से जीत लेंगी। आलम ये है कि उनकी ये फोटो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रही हैं।

रोचक रही है श्वेता तिवारी की असल जिंदगी

श्वेता तिवारी की रियल लाइफ किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही है। साल 1998 में एक्टर राजा चौधरी से श्वेता ने पहली शादी की थी, जोकि 2007 तक चली। इस शादी से उनको एक बेटी भी है, जो अब एक्ट्रेस पलक तिवारी के नाम से जानी जाती हैं। इसके बाद 2013 में अभिनव कोहली पर श्वेता का दिल आया और दोनों शादी कर ली। दूसरी शादी से श्वेता से एक बेटा है, जिसका नाम रेयांस कोहली है।

नाश्ते में ट्राई करें पोहा कटलेट, बेहद आसान है इसे बनाने की विधि

नाश्ते में पोहा तो आप भी कई बार खाते होंगे। यह न सिर्फ लाइट फूड है, बल्कि स्वाद में भी काफी लाजवाब लगता है। आइए आज आपको पोहा कटलेट बनाने की आसान रेसिपी बताते हैं, जो क्रिस्पी, करारी और हेल्दी होने के साथ-साथ बेहद टेस्टी भी है। आइए जानें।

सामग्री =

पोहा-1 कप
आलू-1
प्याज-1
टमाटर-1/2
चाट मसाला-1/2 बड़ा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/2 बड़ा चम्मच
हरा धनिया- गार्निश के लिए
चावल का आटा- 1 बड़ा चम्मच
तेल- तलने के लिए
नमक- स्वादानुसार

विधि

पोहा कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले इसे पानी से थोड़ा वॉश कर लें। अब इसे एक छन्नी में डालकर सारे पानी को निकाल लें। इसे एक बर्तन में ट्रांसफर करें और फिर उबले हुए आलू का छिलका उतार लें। फिर टमाटर और प्याज को बारीक चॉप कर लें। अब पोहा के अंदर टमाटर, प्याज, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक और हरा धनिया डालकर अच्छे से मिला लें। आलू को अब अच्छी तरह मैश कर लें और फिर अपने मुताबिक गोल या लंबा शेप दे दें। कटलेट्स को बारी-बारी से चावल के आटे में लपेटकर गर्म तेल की कढ़ाई में डालते जाएं। इन्हें हल्का सुनहरे रंग को होने तक फ्राई होने दें। इनके क्रिस्पी हो जाने पर इन्हें तेल से निकालकर अपनी पसंदीदा चटनी के साथ गर्मागर्म परोसें।

नीमच के जय कुमावत ने केन्द्रीय विद्यालय रीजनल जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर किया शानदार प्रदर्शन

नीमच। केन्द्रीय विद्यालय भोपाल रिजनल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 25 से 29 जुलाई 2024 तक केन्द्रीय विद्यालय महू में किया गया, इस प्रतियोगिता में विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों कें चयनीत खिलाड़ियों ने भाग लिया,जिसमे केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 नीमच के चयनीत 2 खिलाड़ियां ने दल प्रबन्धक बी.एल. मीणा के निर्देन में भाग लेते हुए 1 स्वर्ण पदक एवं 1 कांस्य पदक जीत कर शत प्रतिशत सफलता अर्जित की,बालक 14 वर्ष आयु समूह के 35 कि.गा. वजन समूह में जय कुमावत ने अपने सभी मुकाबले जीत कर स्वर्ण पदक अर्जित किया एवं 30 कि.गा. वजन समुह में हिमान्शु रावत ने कास्य पदक अर्जित किया।कास्य पदक विजेता खिलाड़ी- हिमान्शु रावत पिता जितेन्द्र रावत केन्द्रीय विद्यालय भोपाल रिजनल जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के आधार पर जय कुमावत का चयन राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता जो कि दिनांक 10 से 14 सितम्बर 2024 तक दिल्ली में आयोजित होगी ।

जिसके लिए उसका चयन हुवा है।जय कुमावत को पदक जीतने पर एवं राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 नीमच के प्राचार्य प्रियदर्शन गर्ग ,खेल शिक्षक अनिल यादव, बाबूराम छैत्री , शिक्षक बी.एल. मीणा, एल.एस.मीणा सहित समस्त स्टाफ सदस्यों एवं परिजनों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

मंदसौर पशुपति नाथ से चलकर कावड़ यात्री पहुंचे नीमच, यात्रा का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

नीमच। श्रावण मास के अवसर दुसरे सावन सोमवार को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी जूना सतनारायण मंदिर जयसिंह पुरा रोड के महंत स्व सीताराम दास जी महाराज एवं उनके चेले कन्हैया दास जी महाराज के नेतृत्व में मंदसौर से 60 किलोमीटर का पैदल सफर तय कर कावड़ यात्रा नीमच पहुंची, यात्रा का मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत किया गया,यात्रा के संदर्भ में जानकारी देते हुए कन्हैया दास जी महाराज ने बताया कि हर वर्ष श्रावण मास में कावड़ यात्रा निकाली जाती है ।

यह कावड़ यात्रा मंदसौर पशुपतिनाथ से अभिषेक कर कावड़ भर कर प्रारंभ होती है जो नीमच पहुंचती है इस वर्ष यात्रा का यह 14 वा वर्ष है,कावड़ यात्रा में में 130 से अधिक कावड़ यात्री शामिल हुवे है और यह यात्रा लगभग 60 किलोमीटर की यात्रा थी शनिवार को सभी कावड़ यात्री मंदसौर पशुपतिनाथ पहुंचे थे एवं रविवार को भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर यात्रा प्रारंभ हुई थी जो हिंगोरिया फाटक स्थित बालाजी मंदिर पर रात्रि विश्राम के लिए रुकी थी उसके पश्चात सोमवार को सुबह यात्रा प्रारंभ हुई जो प्रमुख मार्गो से होती हुई जूना सतनारायण मंदिर पहुंची यहां अभिषेक एवं महा आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

मनासा पुलिस को मिली सफलता एक पीअप वाहन से 20 क्विंटल मछली की बरामद

मनासा। पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच श्री अंकित जायसवाल द्वारा चोरी के प्रकरणो में बरामदगी व पतारसी हैतु अनुविभागीय अधिकारीयों एवं थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय नीमच श्री एनएस सिसोदिया व एसडीओपी महोदय मनासा श्री विमलेश उईके के कुशल निर्देशन में थाना प्रभारी मनासा निरीक्षक शिवकुमार यादव के नेतृत्व में मनासा पुलिस द्वारा 20 क्विंटल चोरी की अवैध मछली परिवहन कर ले जाते जप्त की गयी है।

घटनाकम दिनांक 29.07.2024 को सउनि0 डीएस तिवारी थाना मनासा को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की एक पीकअप आरजे 09 जीडी 5759 का ड्रायवर अपनी गाडी में अवैध रूप से पकडी गयी मछलीयों को लेकर कहीं बाहर बेचने जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए भाटखेडी पडदा के मध्य एक पीकअप वाहन रास्ते में क्षतिग्रस्त हालत में मिला जिसकी तलाशी लेते उसमें खुली बाडी में मछलीया भरी होना पायी जो विधिवत पंचानो के समक्ष जप्त कर वाहन में रखी करीबन 20 क्विंटल मछली किमती 3 लाख रूपये को विधिवत जप्त कर वाहन के आरजे 09 जीडी 5759 के चालक अज्ञात व्यक्ति के विरूध्द प्रकरण पंजिबध्द किया गया है। जप्त सामग्री- बालेरो पीकअप वाहन कं आरजे 09 जीडी 5759 किमती 400000 रू 20 क्विंटल करीबन अवैध चोरी की मछली किमती 300000 रू

सराहनीय कार्य इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी मनासा व उनकी टीम सउनि0 डीएस तिवारी, आर अनिल असवार, आर अनिल धाकड, आर दिपक सेन का सराहनीय योगदान रहा

लायंस क्लब नीमच को सत्र का दूसरा नेत्रदान हुडको कॉलोनी निवासी वलेचा परिवार से प्राप्त

नीमच। लायंस क्लब नीमच द्वारा अन्धत्व को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे नेत्रदान महादान अभियान के तहत् दिनाँक 29 जुलाई 2024, सोमवार को 96, हुडको कॉलोनी नीमच निवासी श्रीमती गोपीबाई जी वलेचा धर्मपत्नी स्व. श्री कन्हैयालालजी वलेचा के देहावसान पश्चात श्री सिन्धी सोश्यल ग्रुप, नीमच की प्रेरणा से उनके परिजनों श्री घनश्यामजी, श्री जीवनजी, श्री मुकेशजी, श्री मनोजजी, श्री अजयजी, श्री निखिलजी, श्री अंकुरजी वलेचा एवं परिवार ने लायंस क्लब नीमच को नेत्रदान कराए। उक्त नेत्रदान लायंस सत्र 2024-25 का दूसरा एवं अब तक का 2654 वां नेत्रदान है। क्लब सचिव लायन शैलेन्द्रजी पोरवाल शैलू, लायन प्रकाश जी रामनानी एवं लायन रिखब गोपावत ने नेत्रदान सम्पन्न करवाने में महती भूमिका निभाई एवं नेत्रदान करवाने का पुनीत एवं सराहनीय कार्य किया। गोमाबाई नेत्रालय के ऑप्थोमेट्रिस्ट शैलेन्द्रज़ी बनौधा द्वारा नेत्र उत्सारित कर जरूरतमंदों को नि:शुल्क प्रत्यारोपण हेतु नेत्रालय भेजे गए। नेत्रदान के समय नेत्रदानदाता के परिवारजन एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

इस दु:खद घड़ी में भी दृष्टिहीनों को नवदृष्टि प्रदान करने के पुनीत उद्देश्य से अपने प्रिय परिजन के नेत्रदान करने पर क्लब अध्यक्ष लायन सुनीलजी शर्मा, सचिव लायन शैलेन्द्रजी पोरवाल शैलू, नेत्रदान संयोजक लायन रिखबजी गोपावत, नेत्रदान आभार समिति संयोजक लायन बाबूलाल गौड़ ने समस्त नेत्रदान दाता वलेचा परिवार का हार्दिक आभार प्रकट किया एवं दिवंगत आत्मा को क्लब परिवार की ओर से हार्दिक श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

वैश्य महासम्मेलन मप्र की प्रदेश स्तरीय बैठक 3 व 4 को नीमच में तैयारियां जारी

माहेश्वरी व अग्रवाल सामाजिक संगठनों की बैठक में समाज जन सहभागी बने

नीमच। सामाजिक एकता से ही समाज के सभी वर्गों की सुरक्षा हो सकती है। व्यापारियों परिवारोंएवं उद्योगपतियों के लिए आने वाला समय संघर्ष व परेशानी का समय हो सकता है सरकार को सबसे अधिक टैक्स देने के बाद भी व्यापारी असहाय महसूस करता हे इसलिए सभी समाज जनों को संगठित होकर सामाजिक सुरक्षा के उपाय करना चाहिए तभी समाज विकास कर सकेगा। सामाजिक संघर्ष और एकता के बिना समाज का विकास संभव नहीं हो सकता है।

यह बात ने वैश्य सम्मेलन के मंदसौर संभाग अध्यक्ष संतोष चोपड़ा ने कही। शनिवार 3 अगस्त को नीमच में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय बैठक एवं एकता रैली एवं सांस्क्रतिक संध्या ओर 4 अगस्त को वृंदावन होटल में प्रदेश स्तरीय बैठक के आयोजन की तैयारी को वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश जिला इकाई की चंद्रभंवर कार्यालय आयोजित जिला स्तरीय बैठक में बोल रहे थे उन्होंने कहा कि वैसे समाज संगठन के पदाधिकारी के खिलाफ झुठी शिकायत ,कालाबाजारी दहेज के झूठेआरोप प्रताड़ना जैसे कई विषयों पर व्यापारियों को सरकार के उच्च अधिकारियों से वार्ताकर समस्याओं का निराकरण करना चाहिए।

मीडिया प्रभारी विवेक खंडेलवाल ,ज़िला संयोजक एडवोकेट सुनील जैन पटेल, कार्यक्रम संयोजक दिलीप डूंगरवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि दो दिवसीय बैठक में मप्र के 250से अधिक अपेक्षित वैश्य पदाधिकारी भाग लेंगे।

650 ज़िले में पूर्व से सदस्य हैं ओर उत्साह से नए सदस्य जुड़ रहे हे ,सदस्यता अभियान को पंचायत स्तर तक प्रेरित कर संख्या को बढ़ाया जाएगा।इस अवसर पर अग्रवाल समाज नीमच के अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल स्वतंत्र रोड लाइंस वाले, पूर्व अध्यक्ष शिवनारायण गर्ग, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सुरेश अजमेरा, सचिव नवीन गट्टानी, अग्रवाल समाज बघाना के राजेंद्र गर्ग पप्पी सर, भरत जाजू,ओम प्रकाश, राजीव अग्रवाल वासुदेव, दीपक गर्ग चुने वाला, प्रेरणा गोयल, पुष्पा गोयल, मंजू अग्रवाल, रमा अग्रवाल दुर्गा गोयल, सरोज एरन ,संगीता जारौली, पारस जैन कोलकाता वाला, गोविंद पोरवाल अशोक मंगल, मनोज महेश्वरी, जितेंद्र गर्ग, हरि बल्लभ पारस लसोड एवं कई समाज जन उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किए।

आगनवाडी के सभी बच्चों के आधार, समग्र,जन्म एवं जाति प्रमाण पत्र अवश्य बनवाये- श्री जैन

कलेक्टर ने ई-जनसुनवाई में ग्रामीणों की समस्या सुनी

नीमच। जिले के सभी आगनवाडी केन्द्र में दर्ज सभी बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड,समग्र आईडी एवं जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से बनवाये। सभी आगनवाडी कार्यकर्ता दर्ज बच्चों की सूची तैयार करे और उक्त में से यदि काई दस्तावेज बनना शेष हो तो अनिवार्य रूप से बनवाए। यह कार्य अभियान चलाकर पूर किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने सोमवार को ई-जनसुनवाई में मनासा क्षेत्र कि ग्राम पंचायत अरनिया माली, नलखेडा, अल्हेड़, जालीनेर एवं चुकनी के ग्रामीणों की समस्याओं से वीडियों कांफ्रेसिग के माध्यम से रूबरू होते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री जैन ने इन ग्राम पंचायत में राजस्व महाअभियान के तहत बी.एन.वाचन नामंतरण,बंटवारा के प्रकरणों के निराकरण एवं खसरा ई-केवायसी,स्वामित्व योजना के तहत आबादी के अधिकार अभिलेख वितरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी खातेदारों, किसानों के आधार,समग्र खसरे के ई-केवायसी का कार्य भी पूर्ण करवाये।

ग्राम पंचायत जालीनेर के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के ठेकेदार द्वारा पेयजल पाइप लाइन की खुदाई के कारण मुख्य मार्ग की पुरानी नाली बद कर देने से गांव के मुख्य मार्ग पर बारिश में जल भराव की समस्याओं निजात दिलाने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने सम्बधित ठेकेदार से नाली खुलवाकर पानी की निकासी के समुचित प्रबंध करवाने के निर्देश जल जीवन मिशन के अधिकारियों को दिए। प्रा.वि.जालीनेर के भवन मरम्मत की मांग पर कलेक्टर ने कहा,कि स्कूल भवन की मरम्मत का प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति होने पर भवन की मरमत करवाई जावेगी ।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ग्राम अल्हेड में ग्रामीणों की मांग पर गांव में घरों के सामने व आसपास स्थित रोडियों को तत्काल हटवाने के निर्देश पटवारी ,पंचायत सचिव व तहसीलदार को दिए। उन्होने अल्हेड पंचायत में स्ट्रीट लाईट मरम्मत के लिए लाईनमेंन कि सेवाए माह में दो दिन उपलब्ध कराने के निर्देश भी म.प्र.प.क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को दिए। सरंपच अल्हेड आनन्द श्रीवास्तव ने बताया कि गंगा बाबडी जन जल योजना के तहत जल निगम द्वारा मीटर रिडिग से अधिक राशि के बिल उपभोक्ताओं को दिए जा रहे है, इस पर कलेक्टर ने जल निगम के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। सरंपच की मांग पर कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के प्रबधक को अल्हेड की सड़क पर पुलिया निर्माण का प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में ग्रामीणों से रूबरू होते हुए दस्तक अभियान के तहत बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण उपचार योग्य बच्चों की संख्या एवं उन्हे प्रदान की जा रही उपचार सुविधा की जानकारी ली। नलखेड़ा के स्कूल में शिक्षकों की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट करवाने पर कलेक्टर ने बगैर सक्षम स्वीकृति के अवकाश पर गये शिक्षक के विरूद्व कार्यवाही करने तथा अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शाला में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी शिक्षकगणों को दिए।

ठेकेदार से मजदूरी दिलाए- कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में नलखेड़ा के ग्रामीणों की मांग पर जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना के ठेकेदार द्वारा करवाये गये कार्य की लम्बित मजदूरी का भुगतान भी तत?काल करवाने के निर्देश श्रम अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने सम?बंधित ठेकेदार के विरूद्व कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। साथ ही गांव में सीमेंट कांक्रीट सड़क का गुणवत्ता पूर्ण कार्य करवाने के निर्देश भी जल जीवन निगम के अधिकारियों को दिए।

सभी क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों को डिस्मेंटल करने का प्रस्ताव तैयार करे- कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में ग्रामीणों द्वारा पुराने शाला भवनों के जीर्णशीर्ण होने से उन्हे डिस्मेंटल करने की मांग पर निर्देश दिए कि जिले के सभी विद्यालय भवनों का निरीक्षण करवाकर, जीर्णशीर्ण भवनों को एक साथ चिन्हित कर सूची, प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी की उक्त कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए है।

कल्याण कमलमय समर्थक समिति ने किया कांवड़ यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत

नीमच। प्रतिवर्ष अनुसार निकाले जाने वाली कांवड़ यात्रा जिसका आरंभ मंदसौर पशुपतिनाथ से होते हुए नीमच पंहुच जैसिंग पुरा रोड़ मंशापूर्ण बालाजी मंदिर पर जल अभिषेक होता है ये कांवड़ यात्रा निरंतर कई वर्षों से पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर से नीमच नया बाजार होते हुए मंशापूर्ण बालाजी मंदिर पर आगमन करती है इसमें हर वर्ष निरंतर संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिलती है इस वर्ष भी लगभग डेढ़ सौ से 200 कावड़ यात्री शामिल हुए जिनका नया बाजार भौजू चौराहे पर कल्याण कमलमय समर्थक समिति (नेशनल वालिंटियर भाजपा) एवं समाज सेवी लौगो ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर किया भव्य स्वागत।

इस अवसर पर कल्याण कमलमय समर्थक समिति (नेशनल वालिंटियर भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जायसवार, समाज सेवी चंद्रप्रकाश (मोमु) लालवानी, भाजपा अनुसुचित जाती मोर्चा मंडल अध्यक्ष मोहन यादव, प्रदेश संगठन मंत्री दुर्गा शंकर दंशाणा (पार्षद वार्ड नं 8),जिला कार्यवाहक अध्यक्ष समरथ राठौर, प्रचारक दिलीप लालवानी,नगर सचिव जयराम दसानी, राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा संबंध भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष रोहित नरवले, जिला महामंत्री विक्की धूलिया, संयुक्त मंत्री राजू सुतार, अभिषेक पगारिया, रोहित जायसवार, सुनिल दुनिया,अक्कू चाय, गोपाल सोनकर आदि उपस्थित रहे।

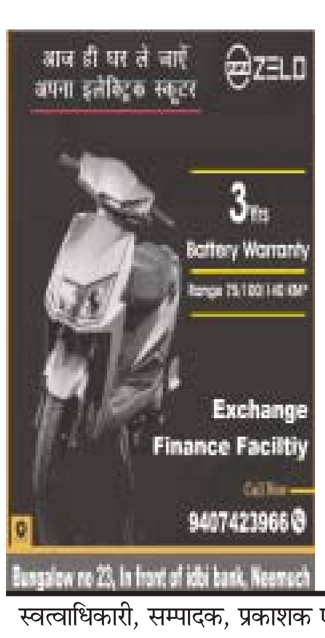

साध्वी सुचिता श्रीजी मसा ने महावीर जिनालय आराधना भवन धर्म सभा में समाज जन को दिया आशीर्वाद

नीमच। चातुर्मास में संतों का योग मिलन पूर्व जन्म के पुण्यार्जन से ही संभव है और जिनवाणी का श्रवण पुण्यार्जन में ही एक उत्प्रेरक है अत: जिनवाणी को श्रवण कर हृदय में उतारे तभी आत्मा का कल्याण होगा।

सोम्यरेखा श्री जी महाराज साहब की सुशिष्या साध्वी सुचिता श्रीजी मसा ने कही।वे जैन श्वेतांबर महावीर जिनालय ट्रस्ट विकास नगर श्री संघ के तत्वाधान में श्री महावीर जिनालय विकास नगरआराधना भवन नीमच में आयोजित धर्म सभा में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि हमें जिनवाणी का केवल श्रवण ही नहीं करना अपीतु जीवन में अनुसरण भी करना होगा। हमारे प्राचीन ग्रंथो में ज्ञान का अपार भंडार है जो हमें निश्चय ही मार्ग अनुसार ही बना देगा लेकिन इसके लिए एकाग्रचित्र होकर जिनवाणी का श्रवण करना होगा। मानव जीवन में यदि हमारी आत्मा का कल्याण करना है तो हमें जीव दया के प्रति जागृति और पाप के प्रति डर का पालन करना होगा जिनवाणी जी की जागृति जीव दया की प्रेरणा है। प्रतिक्रमण, परमात्मा की वाणी को जीवन में आत्मसात करेंगे तो परिवर्तन हो सकता हैं। परमात्मा की भक्ति को प्राथमिकता देते हैं तो हमारा कल्याण जल्दी होता है ।माता शबरी ने 12 वर्ष तक श्री राम जी की आने की प्रतीक्षा की आखिरकार श्री राम जी आए और उनका कल्याण किया था। जीव दया के क्षेत्र में गौ सेवा भी एक अभिनव पहल होती है। महावीर की वाणी और उपदेश सुनने से पाप कर्मों का नाश हो जाता है।

परमात्मा की वाणी बहुत शक्तिशाली होती है यह कल्याण कर देती है मोक्ष सभी को जाना होता है लेकिन तैयारी कोई नहीं करते हैं। चिंतन का विषय है। संसार में रहते हुए जिंदगी में कभी अच्छा हो जाता है तो तब भी हम भगवान को याद नहीं करते हैं। जिंदगी में यदि बुरा हो जाता है तो भगवान से नाराज हो जाते हैं चिंतन का विषय है। सामान्य मनुष्य की मृत्यु के बाद अरर्थी पर शवयाता निकल जाती है साधु संतों की मृत्यु पर चकडोल यात्रा निकाली जाती है।

इस वर्षावास में सागर समुदाय वर्तिनी सरल स्वभावी दीर्घ संयमी प.पू. शील रेखा श्री जी म.सा. की सुशिष्या प.पू.सौम्य रेखा श्री जी म सा, प.पू. सूचिता श्री जी म सा, प.पू.सत्वरेखा श्री जी म साआदि ठाणा 3 का चातुर्मासिक तपस्या उपवास जप व विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रारंभ हो गया है।

श्री संघ अध्यक्ष राकेश आंचलिया जैन, सचिव राजेंद्र बंबोरिया ने बताया कि प्रतिदिन 9.15 बजे चातुर्मास में विभिन्न धार्मिक विषयों पर विशेष अमृत प्रवचन श्रृंखला का आयोजन होगा । समस्त समाज जनअधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ लेवें एवं जिन शासन की शोभा बढ़ावे।

नन्हे तैराकों ने स्टेट स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा, जीते 17 मैडल

जिला तैराकी संघ की टीम मिनी ग्रुप में शामिल हुए 6 खिलाड़ियों ने रनरअप ट्राफी पर किया कब्जा

नीमच। 52 वीं स्टेट चैम्पियनशिप के तहत इंदौर में अलग से हुई मिनी ग्रुप (अंडर-9) की तैराकी स्पर्धा में नीमच जिले के नन्हे तैराकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नीमच जिला तैराकी संघ जिलाध्यक्ष अशोक मोदी ने बताया कि संघ की ओर से स्पर्धा में शामिल हुए मात्र 6 खिलाड़ियो ने रनरअप ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। साथ ही 3 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज़ समेत 17 मैडल जीते।

गत 28 जुलाई को इंदौर में हुई इस प्रतियोगिता में संघ द्वारा इस प्रप्रियोगिता के लिए ज्ञानोदय पुल के बंटी मिथौरा को टीम मैनेजर व कोच बनाकर भेजा था। जिनके कुशल मार्गदर्शन में टीम ने अनुशासित तरीके से भाग लेकर प्रदर्शन किया। तैराकी संघ मेंटर प्रभु मूल चांदनी, उपाध्यक्ष प्रकाश मंडवारिया, शरद जैन, दिलीप डूगरवाल और मोटिवेटर राकेश कोठारी ने बताया कि नन्हें खिलाड़ियो के कोच सुधा सोलंकी, अभिषेक अहीर, आयुष गौड़ , नीलेश घावरी और रोहित अहीर की सुबह शाम कड़ी मेहनत, पेरेंट्स की इच्छाशक्ति और खिलाड़ियो का जुनून व जज्बा हो तो स्टेट चेम्पियनशिप के साथ एक दिन नीमच ओलंपिक में भी नाम दर्ज कराएगा । जरूरत हैं नगर पालिका और खेल युवा कल्याण विभाग मिलकर शहर में पहचान दे रहे खेलों को जैसे तैराकी का केम्प आयोजित करना चाहिए। जिससे नए खिलाड़ी जुड़ पाए और नीमच और बेहतर कर सके ।

जिलाध्यक्ष अशोक मोदी ने कहा कि तैराकी गतिविधियों और तैराकों को प्रोत्साहित करने के लिए नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा का सहयोग हमेशा मिलता रहा है।

तैराकों ने इन इवेंट जीते मैडल- स्पर्धा में शामिल नन्हें तैराकों ने विभिन्न इवेंट में कई मैडल जीते है। इसमें नमन गहलोत ने 50 मी. फ्री स्टाइल कीक में गोल्ड, 50मी. बैक स्ट्रोक में सिल्वर, 200मी. मिडले रिले में सिल्वर,100मी. फ्री स्टाइल में ब्रॉन्ज़, 50मी. बैक स्ट्रोक कीक में ब्रॉन्ज़, 200मी. फ्री रिले में ब्रॉन्ज़ जीता। आरव बाफना ने 50मी. बटरफ्लाय में गोल्ड, 50 मी. ब्रैस्ट स्ट्रोक में सिल्वर, 200मी. आईएम में सिल्वर, 200मी. मिडल रिले में सिल्वर, 200मी. फ्री रिले में ब्रॉन्ज़ जीता। सिद्धिका यादव ने 50मी. फ्री स्टाइल कीक में गोल्ड, 50मी. बैक स्ट्रोक कीक में सिल्वर जीता। निधिश्वरम राठौर ने 200मी. मिडल रिले में सिल्वर, 200मी. फ्री रिले में ब्रॉन्ज़ मैडल जीता। भाव्यांश पटेल ने 200मी. मिडले रिले में सिल्वर व 200मी. फ्री रिले में ब्रॉन्ज़ मैडल जीतातथा नन्ही छवि कालू बैरागी ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

कुकडेश्वर पुलिस को मिली बड़ी सफलता-ग्राम लसुड़िया आँत्री में दी दबिश 120 लीटर लहान किया मौके पर नष्ट

60 लीटर हाथ भट्टी की अवैध कच्ची शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

कुकड़ेश्वर। पुलिस अधीक्षक श्रीमान अंकित जयसवाल सर के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया सर एवं एसडीओपी मनासा श्री विमलेश उइके सर के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करने हेतु तथा अवैध गतिविधीयों एवं अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने हेतु कुकडेश्वर थाना प्रभारी निरीक्षक श्री राधेश्याम दांगी के नेतृत्व में पुलिस परिवार टीम कुकड़ेश्वर द्वारा ग्राम लसुड़ियाआँत्री में दबिश देकर 120 लीटर लहान मौके पर नष्ट की तथा एक आरोपी को 60 लीटर हाथ भट्टी की बनी अवैध कच्ची शराब किमती 6000 रुपये के साथ गिरफ्तार कर आरोपी के विरुध्द धारा 34 (2), 34(1), 34 (1) (एफ) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण- पुलिस अधीक्षक श्रीमान अंकित जयसवाल सर के

निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया सर एवं एसडीओपी मनासा श्री विमलेश ऊइके सर के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करने हेतु तथा अवैध गतिविधीयों एवं अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने हेतु कुकडेश्वर थाना प्रभारी निरीक्षक श्री राधेश्याम दांगी के नेतृत्व में पुलिस परिवार टीम कुकड़ेश्वर द्वारा ग्राम लसुड़ियाआँत्री में दबीश दी गई। जहाँ एक आरोपी नरेन्द्र पिता हीरालाल उम्र 24 साल नि लसुडियाआँत्री के कब्जे से मिली 120 लीटर लहान किमती 12000 हजार रुपये की मिली जिसे स्वास्थ्य एवं सुरक्षा दृष्टि से समक्ष पंचान मौके पर नष्ट किया तथा 60 लीटर हाथ भट्टी की अवैध कच्ची शराब किमती 6000 रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया बाद आरोपी नरेन्द्र पिता हीरालाल उम्र 24 साल नि लसुडियाआँत्री का कृत्य धारा 34(2), 34(1), 34(1) (एफ) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया। सराहनीय कार्य - उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुकडेश्वर निरी राधेश्याम दांगी सहित सउनि दिलीप कुमार, प्रआर 142 विरेन्द्रसिंह राठौर व आर 638 ईश्वरलाल चौहान थाना कुकड़ेश्वर र की सराहनीय भूमिका रही।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।